जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 225 प्रभात हिण्डौन सिटी, गुरुवार 19 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

# आज का दिन विदेश नीति की दृष्टि से खट्टा-मीठा दिन रहा भारत के लिए

## जी 7 के शिखर सम्मेलन के समापन के दिन मेज़बान कैनडा ने पहल कर, भारत से पुनः कूटनीतिक संबंध जीवित करते हुए, भारत को कैनडा में पुनः हाई कमिश्नर नियुक्त करने के लिए आमंत्रित किया तथा स्वयम् भारत में हाई कमिश्नर नियुक्त करने का निर्णय लिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। एक ऐसे विश्व में, जो नित नये संकटों के कगार पर पहुँच रहा है, में भारत ने कई तरह की कूटनीतिक सफलता और विफलताएँ देखी हैं।

जहाँ एक ओर कैनडा और भारत ने अपने कूटनीतिक संबंधों को बहाल किया और अपने-अपने उच्चायुक्तों को फिर से नियुक्त करने पर सहमति जताई, वहीं दूसरी ओर, अमेरिका ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख, असीम मुनीर को वाइट हाउस में लंच मीटिंग के लिए आमंत्रित करके माहौल को उलझा दिया।

कैनडा में जी7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद, जहाँ मेज़बान देश के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने-अपने उच्चायुक्तों को फिर से नियुक्त करने पर सहमति जताई, वहीं, भारत को अमेरिका से एक नई निराशा का सामना करना पड़ा।

जैसा कि हमेशा होता है, अमेरिकियों ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को अचानक वाइट हाउस में आमंत्रित करके यह दर्शा दिया है कि

- दूसरी ओर अचानक अमेरिका ने पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर को वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ भोजन पर आमंत्रित कर भारत को चौंका दिया।
- पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या के बाद भी ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष को आत्मीय भोजन पर आमंत्रित करना, भारत के गले नहीं उतर रहा।
- भारत पहले ही घोषणा कर चुका है कि सीमा पार से की गई आतंकवादी घटना के लिए भारत, पाकिस्तान को ही जिम्मेवार मानेगा तथा पाकिस्तान के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करेगा।
- इन हालात में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष से आत्मीयता दिखाना, पाकिस्तान को आतंकवादी घटनाओं के लिए प्रेरित करना लगता है, भारत को।
- अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने इस अनहोने कृत्य को यह कह कर समझाने का प्रयास किया है कि अमेरिका, पाकिस्तान की भूमि का उपयोग करना चाहता है, ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्यवाही के लिए। जैसा कि विदित ही है, पाकिस्तान व ईरान के बीच काफी लम्बी सीमा है।

वे भारत-पाकिस्तान को एक समान स्तर पर रखते हैं। यह स्थिति उस वैश्विक तनावपूर्ण माहौल में सामने आई है, जिसमें अमेरिका इज़रायल-ईरान संघर्ष में हस्तक्षेप करने के प्रति अपना रुझान दिखा रहा है। यह टकराव ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव बढ़ा रहा है।

अमेरिका द्वारा यह अचानक उठाया गया कदम, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर को आमंत्रित करना, निस्संदेह भारत के लिए एक बड़ा झटका है। अमेरिका द्वारा मुनीर को प्रोत्साहित करने से भारत-पाक संबंधों में एक और तनाव पैदा हो सकता है और पाकिस्तान को अपने "प्रॉक्सी युद्ध" को और बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिसके तहत वह भारत में आतंकवादी हमले कर सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से फोन पर हुई फॉलो-अप बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से अमेरिकियों को यह बताया कि भारत अपने आतंकवाद विरोधी संघर्ष को कभी भी "प्रॉक्सी युद्ध" नहीं मानता। मोदी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## करोना संक्रमण से 24 घंटे में चार की मौत

नयी दिल्ली, 18 जून। देश में पिछले 24 घंटों में 353 करोना सक्रिय मामलों में कमी आने के बाद, कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6483 रह गयी। वहीं, इस अवधि में चार और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़ कर 113 पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान 1173 मरीजों के स्वस्थ होने पर इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 15945 पहुंच गयी है। गौरतलब है कि गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी

- गत 24 घंटे में करोना के एक्टिव केस में फिर से कमी देखी गई। करोना के एक्टिव केस घट कर 6,433 रह गए हैं।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान करोना संक्रमित चार और मरीज की मौत हो गयी है। महाराष्ट्र में कोरान संक्रमण से दो और मरीज की मौत होने से वहां मतृकों की संख्या 31 पहुंच गयी और राष्ट्रीय राजधानी और केरल में एक-एक और मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या क्रमशः 13 और 36 पहुंच गयी है। इस अवधि में जहां 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में करोना के मामलों में वृद्धि देखी गई, वहीं 10 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है, जबकि अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से करोना संक्रमण के मामले प्राप्त नहीं हुए हैं।

# प्र.मंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से 35 मिनट बात की

## ट्रंप की पहल पर, यह टेलीफोन वार्ता हुई, क्योंकि, जी7 सम्मेलन के दौरान मोदी-ट्रंप मीटिंग भी प्रस्तावित थी, पर, ट्रंप के अचानक चले जाने से यह मुलाकात नहीं हो पाई थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कैनडा से अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बात की, लेकिन उन्होंने अमेरिका की यूनिवर्सिटीज़ से निकाले जा रहे भारतीय छात्रों पर कोई चर्चा नहीं की।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात जी7 सम्मेलन के इतर तय थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप को अचानक अमेरिका लौटना पड़ा, जिससे यह बैठक नहीं हो सकी।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार, इसके बाद, राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर दोनों नेताओं के बीच बुधवार को लगभग 35 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से संवेदना व्यक्त की थी और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन भी जताया था। उसके बाद बुधवार को यह दोनों नेताओं के बीच पहली बातचीत हुई।

इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से बताया कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने

- प्र.मंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को ऑपरेशन सिंदूर की विस्तार से जानकारी दी, कैसे, भारत ने नपे-तुले प्रभावशाली तरीके से पाकिस्तान के हवाई अड्डे व आतंकवादी कैम्पस को नष्ट किया।
- प्र.मंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका या राष्ट्रपति ट्रंप से युद्धविराम व व्यापार पर कोई बात नहीं हुई।
- तथा, युद्धविराम का प्रस्ताव पाकिस्तान की तरफ से आया, उनके डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को फोन किया।
- प्र.मंत्री मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत अब पाकिस्तान की ओर से प्रेरित आतंकवादी घटना को "प्रॉक्सी वॉर" नहीं मानेगा, बल्कि सीधा युद्ध मानेगा और जवाबी कार्यवाही करेगा।
- राष्ट्रपति ट्रंप ने प्र.मंत्री मोदी को भारत लौटते समय, अमेरिका रूकने का प्रस्ताव दिया, पर, मोदी यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर पाये, पूर्व निश्चित कार्यक्रमों की व्यस्तता के कारण।
- मोदी के निमंत्रण पर, राष्ट्रपति ट्रंप ने क्वाड सम्मेलन के दौरान भारत आने का निमंत्रण स्वीकार किया।

दुनिया को यह संदेश दे दिया था कि वह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# पूर्व मुख्यमंत्री सुखाड़िया के परिवार का भूमि विवाद पुलिस में पहुँचा

## पूर्व मुख्यमंत्री की पुत्रवधु नीलिमा सुखाड़िया ने अपने देवर अरूण सुखाड़िया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी

उदयपुर, 18 जून। राजस्थान में 17 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे मोहनलाल सुखाड़िया के परिवार में इन दिनों जमीन विवाद गरमाया हुआ है। मामला थाने तक पहुंच चुका है और भाभी ने देवर के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज करवा दी है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 326(3), 324(4) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमुत्री स्व. मोहनलाल सुखाड़िया की बड़ी पुत्रवधु नीलिमा सुखाड़िया, जो स्व. दिलीप सुखाड़िया की पत्नी हैं, ने उदयपुर के भूपालपुरा थाने में अपने देवर अरूण सुखाड़िया और अरूण के परिचित प्रवीण शर्मा के खिलाफ धोखे से भूखण्ड हड़पने की योजना बनाने का मामला दर्ज करवाया है।

नीलिमा सुखाड़िया ने एफआईआर में बताया है कि उनके दुर्गानर्सरी निवास स्थान के पास उनका 3958 वर्गफीट

- नीलिमा सुखाड़िया ने कहा कि उसे धमकी दी जा रही है कि प्लॉट छोड़ दे, वर्ना जान से हाथ धोना पड़ेगा। दूसरी ओर अरूण सुखाड़िया के पुत्र दीपक ने कहा कि हमने अपने पक्ष की रिपोर्ट एसपी के समक्ष और थाने में पेश कर दी है।

का एक प्लॉट है। इस प्लॉट पर उन्होंने चार दीवारी की हुई है। उनके ड्राइवर ने 8 जून को देखा कि अरूण सुखाड़िया इस प्लॉट पर आए और 5 मजदूरों से इसकी चार दीवारी तुड़वा रहे थे। अरूण सुखाड़िया खुद वहाँ खड़े होकर निर्देश दे रहे थे। नीलिमा सुखाड़िया ने प्लॉट पर पहुंचकर अरूण सुखाड़िया को रोकने का प्रयास किया। एफआईआर में आरोप है कि इस दौरान अरूण सुखाड़िया ने नीलिमा सुखाड़िया के साथ गाली गलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए।

नीलिमा सुखाड़िया ने आरोप लगाया है कि अरूण सुखाड़िया उनकी जमीन पर कब्जा करने की की मंशा रखते हैं। वे उन्हें तथा उनके परिवार को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ना दे रहे हैं। उन्हें अज्ञात लोगों के फोन आ रहे हैं और अज्ञात लोग उनके घर के आस-पास घूम रहे हैं। नीलिमा ने कहा कि वे अकेली रहती हैं, उनकी जान को खतरा है। नीलिमा ने आरोप लगाया कि सुखाड़िया व प्रवीण शर्मा ने प्लॉट बेचने का विज्ञापन निकाला है। यदि उन्हें या उनके घर की सम्पत्ति को कोई नुकसान होता है तो जिम्मेवार अरूण सुखाड़िया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## पनडुब्बी रोधी स्वदेशी युद्धपोत अर्नाला नौसेना में शामिल

नयी दिल्ली, 18 जून। देश में ही बनाया गया अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस 'अर्नाला' बुधवार को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया जिससे नौसेना की मारक क्षमता काफी हद तक बढ जायेगी।

आईएनएस अर्नाला को नौसेना के विशाखापत्तनम स्थित डॉकयार्ड में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान की

- 1490 टन वजन व इस 77 मीटर लम्बे युद्धपोत का नाम महाराष्ट्र के एक तटवर्ती किले के नाम पर रखा गया है।

उपस्थिति में नौसेना की पूर्वी कमान में शामिल किया गया। यह देश में ही बनाये जाने वाले इस तरह के 16 युद्धपोतों में से पहला पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है।

जनरल चौहान ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय नौसेना अब 'खरीददार' के बजाय "मैन्युफैक्चरिंग" करने वाली नौसेना के रूप में उभर रही है। अभी देश में बड़ी संख्या में युद्धपोत तथा अन्य नौसैनिक पोत निर्माणाधीन हैं जिससे भारत पोत निर्माण में एक दुर्जेय शक्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# 'मोदी कैनडा यात्रा से लौटते ही सर्वदलीय बैठक आयोजित करें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिका से लौटते ही सभी राजनीतिक दलों को यह बताना चाहिए कि उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से टेलीफोन पर क्या बात की, और उन्हें पूरे देश को विश्वास में लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को ट्रंप को यह स्पष्ट करना चाहिए था कि भारत, पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के ट्रंप के साथ लंच करने की खबरों से भारत अप्रसन्न है।

कांग्रेस ने जनरल असीम मुनीर के ट्रंप के साथ लंच की खबर को "एक बड़ा कूटनीतिक झटका" बताया।

कांग्रेस के महासचिव एवं संचार विभाग प्रमुख जयराम रमेश ने सरकार से यह भी आग्रह किया कि वह "पहलगाम समीक्षा समिति" का गठन करे, जैसे कारगिल युद्ध के तीन दिन बाद "कारगिल समीक्षा समिति" बनाई गई थी, जिसकी अध्यक्षता के.सुब्रह्मण्यम (विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पिता) ने की थी।

- कांग्रेस की मांग है, प्र.मंत्री मोदी इस बैठक में साझा करें कि 35 मिनट की टेलीफोन वार्ता में उन्होंने क्या-क्या कहा ट्रंप को।
- ऐसा कहा जा रहा है कि उन्होंने (प्र.मंत्री मोदी ने) उस बात का भी पुरजोर खण्डन किया, जो ट्रंप अब तक 14 बार कह चुके है कि उन्होंने व्यापार का दबाव बनाकर, भारत-पाक युद्ध में "सीज़फायर" करवाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को संसद में डॉनल्ड ट्रंप के उन दावों का खंडन करना चाहिए, जिनमें उन्होंने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने के लिए उन्होंने व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया।

यह टिप्पणी उस समय आई, जब प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप से फोन पर बात की और स्पष्ट किया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पर हमले रोकने का निर्णय इस्लामाबाद के अनुरोध पर लिया था, न कि अमेरिकी मध्यस्थता या किसी व्यापार समझौते के प्रस्ताव के कारण।

जयराम रमेश ने कहा कि तीसरा बड़ा झटका यह है कि ट्रंप ने 14 बार यह दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने और युद्धविराम लाने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने कहा, "वे (ट्रंप) कहते हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को एक ही स्तर पर रखते हुये, व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने यह बात 14 बार कही और प्रधानमंत्री ने 10 मई से अब तक कुछ नहीं कहा। यह तिहरा झटका है।"

मोदी-ट्रंप बातचीत पर रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ट्रंप से यह कहा बताते हैं कि व्यापार का ऑपरेशन सिंदूर से कोई लेना-देना नहीं है और मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है।

उन्होंने कहा, "जब लौटें, तो तुरंत एक सर्वदलीय बैठक बुलाएं और बताएं कि राष्ट्रपति ट्रंप से 35 मिनट की बातचीत में क्या-क्या बातें हुई।"

रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को ट्रंप के 14 बार किए गए दावों पर चुप्पी तोड़ने में 37 दिन लग गए और दोहराया कि मोदी को देश को विश्वास में लेना चाहिए।

उन्होंने कहा, "असीम मुनीर का ट्रंप के साथ लंच और कुरिल्ला (अमेरिकी व्यापार सलाहकार) की टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री की कूटनीति के लिए बड़ा झटका हैं। मोदी सरकार के कूटनीति दिखावे पर आधारित रही है। ये प्रत्याशित झटके हैं। हमें दिखावे के बजाय, ठोस कूटनीति पर अधिक ध्यान देना चाहिए।"

रमेश ने कहा, "देश को विश्वास में लेने और सामूहिक इच्छाशक्ति तथा संकल्प को मजबूत करने का कोई विकल्प नहीं है।"

उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया कि वे "डिवाइडर-इन-चीफ हैं और सवाल उठाया कि वे विपक्ष के नेताओं को विश्वास में क्यों नहीं लेते।

## निजी वाहनों के लिए जारी होगा वार्षिक फास्टैग पास

नयी दिल्ली, 18 जून। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल प्लाजाओं पर बढ़ ते विवादों तथा भीड़ को कम करने और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निजी वाहनों के लिए तीन हजार रूपये का वार्षिक फास्टैग पास शुरू करने का निर्णय लिया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को खुद यह जानकारी दी। यह पास आगामी 15 अगस्त से उपलब्ध रहेगा और सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा।

गडकरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, एक ऐतिहासिक पहल के तहत, 15 अगस्त 2025 से 3,000 रूपये की कीमत वाला फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी तथा बताया कि 3000 रु का यह पास एक वर्ष या 200 यात्राओं, जो भी पहले हो, के लिए मान्य होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## प्र.मंत्री मोदी क्रोएशिया पहुंचे

जागरेब, 18 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की यात्रा के अंतिम पड़ाव पर बुधवार को यहां क्रोएशिया की राजधानी जागरेब पहुंच गये।

जागरेब अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर क्रोएशियाई प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेन्कोविच ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी कैनड़ा में जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने

- प्रधानमंत्री मोदी यात्रा के अंतिम पडाव पर हैं। क्रोएशिया से देर रात वे स्वदेश रवाना हो जाएंगे।

के बाद जागरेब पहुंचे हैं। यात्रा की शुरूआत में वे सबसे पहले साइप्रस गये थे। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक आज शाम को होगी। क्रोएशियाई प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। इसके बाद देर रात मोदी स्वदेश रवाना हो जायेंगे।

प्रधानमंत्री ने जी-7 देशों की शिखर बैठक से इतर भागीदार देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक में आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की।

# 22 मुस्लिम बाहुल्य देशों ने एक आवाज़ में इज़रायल की भर्त्सना की, ईरान के खिलाफ युद्ध की कार्यवाही के लिए

## इन देशों में कई वो देश भी शामिल हैं, जो अमेरिका से अच्छे संबंध रखते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। एक असाधारण एकता का प्रदर्शन करते हुए, 22 मुस्लिम बहुल देशों ने, राजनीतिक मतभेदों और राजनयिक निष्ठाओं के बावजूद, इज़राइल की ईरान के खिलाफ बढ़ ती सैन्य कार्रवाइयों की संयुक्त रूप से निंदा की है। यह बयान मिस्र के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रकाशित किया गया, जो क्षेत्रीय सहमति का एक दुर्लभ उदाहरण है। इसमें वे देश भी शामिल हैं, जो परंपरागत रूप से इज़रायल के साथ औपचारिक संबंध रखते हैं या जो ईरान के विरोध में खड़े हैं, परंतु इस समय व्यापक मध्य पूर्व संघर्ष की आशंका के चलते एकजुट हो गए हैं।

बयान में 13 जून 2025 से शुरू हुए इज़रायली सैन्य हमलों की निंदा की गई, जिनमें ईरान की परमाणु सुविधाओं, मिसाइल ठिकानों, सैन्य कर्मी और परमाणु वैज्ञानिक को लक्ष्य बनाया गया। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य अभियान ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए किया गया है। तथापि, सऊदी अरब, यूएई, कतर, ओमान और बहरीन जैसे खाड़ी देशों के साथ-साथ तुर्की, इंडोनेशिया और कई अफ्रीकी देशों सहित, 22 देशों ने इस कदम को "पूर्ण रूप से अस्वीकार्य और निंदनीय" बताया और चेतावनी दी कि यह क्षेत्र को व्यापक युद्ध की ओर ले जा सकता है।

इस संकट के मूल में ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को लेकर वर्षों से चला आ रहा तनाव है। तेहरान और

- सऊदी अरब, यू.ए.ई., कतर, ओमान, बहरीन के अलावा तुर्की, इण्डोनेशिया व कई अफ्रीकी देश भी इस मुद्दे पर इज़रायल के विरोध में उतरे हैं।
- इन देशों ने इस बात पर भी भारी चिंता जताई कि अब यह संघर्ष दो देशों के बीच छुट-पुट लड़ाई नहीं है, बल्कि सारे खाड़ी देशों व विश्व के अन्य देशों को भी युद्ध में धकेल देगा।
- अमेरिका ने तेहरान के खिलाफ सख्त रूख अपनाया है तथा अमेरिका ने अपने जलपोत व अन्य आक्रमक सैन्य सामान की सुरक्षा की व्यवस्था की है, क्योंकि, अमेरिका को भय है कि अन्ततोगत्वा, चाहे बेमन से, उसे इस युद्ध से जुड़ना पड़ सकता है तथा यह युद्ध लम्बा चल सकता है।

वाशिंगटन के बीच चल रही बातचीत, जिसमें इस वर्ष की शुरुआत में थोड़ी प्रगति हुई थी, अब खुले सैन्य संघर्ष के कारण विफल हो गई है। ईरान, जो लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को नागरिक उद्देश्यों के लिए बताता रहा है, ने जवाब में इज़राइली क्षेत्रों पर अनेक मिसाइल हमले किए हैं, जिससे लंबे समय तक संघर्ष की चिंताएं और बढ़ गई हैं।

सम्पूर्ण मध्य पूर्व में हवाई यातायात बाधित हो गया है और नागरिक विमान सेवाओं को संभावित संघर्ष क्षेत्रों से हटाकर अन्य मार्गों पर भेजा जा रहा है। कई देश, जो अमेरिका के करीबी सहयोगी माने जाते हैं, अब इस युद्ध के भूराजनीतिक और आर्थिक प्रभावों से जूझ रहे हैं, जो अब केवल द्विपक्षीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैलने की आशंका पैदा कर रहा है।

इन 22 देशों के संयुक्त बयान में इज़रायली हमलों को तुरंत रोकने की अपील की गई है और सभी क्षेत्रीय पक्षों से कूटनीति की राह पर लौटने का आग्रह किया गया है। बयान में कहा गया, हम इस समय मध्य पूर्व में बढ़ ते तनाव के बीच ईरान पर इज़रायली हमलों को तत्काल रोकने की अनिवार्यता पर ज़ोर देते हैं। हम व्यापक युद्धविराम और शांति की बहाली की मांग करते हैं, साथ ही संघर्ष की इस खतरनाक वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं, जो पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

एक उल्लेखनीय बदलाव में, हस्ताक्षरकर्ताओं ने क्षेत्र में परमाणु निरस्त्रीकरण के महत्व को भी रेखांकित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## विचार बिन्दु

**हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा**

# गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होत है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढते तापमान को डेढ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा-सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देश 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कंक्रिट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं। इसी तरह से जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रुप में ईवी वाहनों के प्रोत्साहन के साथ ही दबे स्वर में यह रिपोर्ट आने लगी है कि ईवी का भी असर तापमान बढ़ोतरी पर पड़ेगा। हालात यहां तक होने लगे हैं कि हीट स्ट्रोक के कारण लोगों की ही नहीं जानवरों की भी जान जाने लगी है।

**तापमान में वृद्धि के चलते जंगलों में दावानल, समुद्र किनारें के शहरों के लिए खतरा व एक ही बरसात में बाढ़ जैसे हालात होना, आंधी तूफान के कारण जन-धन हानि और अन्य समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में अभी भी समय है कि हम सजग हो जाएं और प्रकृति से खिलवाड़ कर प्रकृति को विकृति बनाने के स्थान पर प्रकृति को विकास का वाहक बनाने में उपयोग करें तो यह अधिक सकारात्मक होगा।**

ग्लोबल हीट एक्शन डे के आयोजन के पीछे लोगों को हालात की गंभीरता से सजग करना और अत्यधिक हीटवेव से बचने के लिए सतर्क और सजग करना है। तापमान की बढ़ोतरी का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि स्थानीय निकायों द्वारा तापमान अधिक होने पर आमनागरिकों को राहत देने के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया जाने लगा है तो जयपुर सहित कई शहरों में सिग्नल वाले रास्तों पर गर्मी से राहत के लिए हरा पर्दा टांगा जाने लगा है। हीट एक्शन डे के माध्यम से लोगों को सजग करना, हीटवेव से बचने व सुरक्षा के उपायों खासतौर से भूखे पेट नहीं रहना, पानी व तरल पदार्थ का अधिक सेवन के साथ ही छाया में रहने और ढीले कपड़े पहने के साथ ही शरीर को ढक के रखना आदि के प्रति अवेयर करना है। आज लोगों में पशु-पक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता बढी है और गर्मी के चलते दाना-पानी की व्यवस्थाएं एक अभियान के रुप में की जाने लगी है। खैर यह तो व्यक्तिगत प्रयासों की बात हुई पर तापमान के चलते जंगलों में दावानल, समुद्र किनारें के शहरों के लिए खतरा व एक ही बरसात में बाढ़ जैसे हालात होना, आंधी तूफान के कारण जन-धन हानि और अन्य समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में अभी भी समय है कि हम सजग हो जाएं और प्रकृति से खिलवाड़ कर प्रकृति को विकृति बनाने के स्थान पर प्रकृति को विकास का वाहक बनाने में उपयोग करें तो यह अधिक सकारात्मक होगा। इसके लिए बीट द हीट के हैसटैग से संदेश देने का आह्वान भी लगातार किया जा रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि अब सोचने का समय नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने का समय आ गया है और इसके लिए समग्र व ठोस प्रयास करने होंगे।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**
**( वरिष्ठ लेखक )**

## राशिफल गुरूवार 19 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 11:17 तक, सौभाग्य योग रात्रि 2:46 तक, कौलव करण दिन 11:56 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 11:17 से आरम्भ होगा। आज बोहरा अष्टमी और पंचक है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 7:20 तक, चर 10:45 से 12:28 तक, लाभ-अमृत 12:28 से 3:53 तक, शुभ 5:36 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

**मेष**
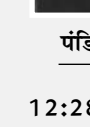
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**सिंह**
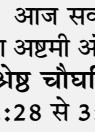
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। स्वभाव की तेजी के कारण परेशानी हो सकती है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

**धनु**
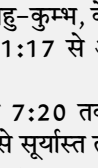
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

**वृष**

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

**कन्या**

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आज प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बन सकते हैं।

**मकर**

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

**मिथुन**

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**तुला**

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

**कुंभ**

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

**कर्क**

धार्मिक मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

**वृश्चिक**

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

**मीन**

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

# वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-उदयपुर का सज्जनगढ़ एक सशक्त जल प्रहरी

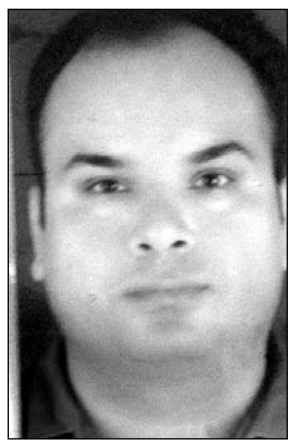

विपुल कुमार

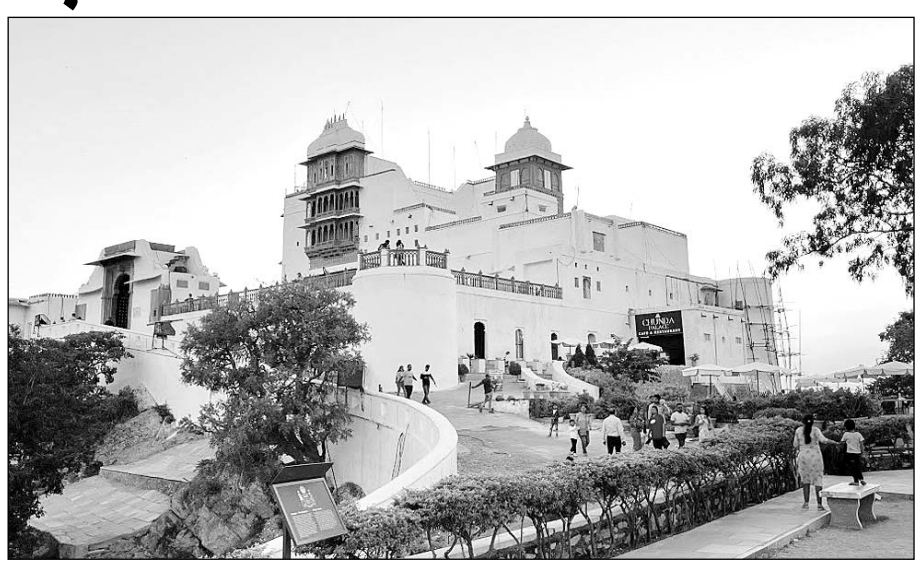

राजस्थान सरकार द्वारा संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में राज्य के पारंपरिक जल स्त्रोतों, जल संरक्षण नवाचारों एवं जल संचयन की स्थानीय पद्धितयों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के परिप्रेक्ष्य में उदयपुर जिले का सज्जनगढ़ क्षेत्र जल संरक्षण के क्षेत्र में एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। झीलों की नगरी उदयपुर के प्राकृतिक सौंदर्य, पहाड़ियों और जल स्त्रोतों के बीच सज्जनगढ़ का एक विशेष स्थान है। यह न केवल एक ऐतिहासिक स्मारक है साथ ही पर्यावरणीय संतुलन और जल संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस महल का निर्माण सन् 1883 ई. में मेवाड़ के महाराणा सज्जन सिंह (शासनकाल-1874-1884) ने बांसदरा की पहाड़ी पर करवाया था। महाराणा सज्जनसिंह ने इस महल का निर्माण मानसून के बादलों पर नजर रखने और प्राकृतिक सौंदर्य का लुफ्त उठाने लिए करवाया था लेकिन महल का निर्माण पूरा होने से पहले ही मात्र 25 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। उन्हीं के नाम पर इस महल को सज्जनगढ़ नाम दिया गया। किले की सुदृढ़ प्राचीर सज्जनसिंह के उत्तराधिकारी महाराणा फतहसिंह (शासन काल 1884-1930) के कार्यकाल में पूर्ण हुई। सन् 1956 में महाराणा भगवतसिंह ने यह महल जनता को समर्पित कर दिया था।

सज्जनगढ़ को मॉनसून पैलेस भी कहा जाता है। यह किला मूलत: खगोलीय वेधशाला बनाने के उद्देश्य से प्रस्तावित था लेकिन बाद में इसे वर्षा ऋतु के दौरान शाही निवास के रूप में उपयोग में लिया गया। वर्तमान में यह स्थान न केवल स्थापत्य का अद्भुत उदाहरण है बल्कि इसके चारों ओर फैला सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य और जल संचयन प्रणाली इसे जल संरक्षण का प्रतीक बनाते हैं। सज्जनगढ़ पहाड़ी पर स्थित होने के कारण वर्षा जल संचयन के लिए उपयुक्त स्थल है।

**बारिश की एक बूंद बेकार नहीं जाती :-** सज्जनगढ़ न केवल उदयपुर की ऐतिहासिक पहचान है, बल्कि यह जल संरक्षण की जीवंत प्रेरणा भी है। समुद्र तल से 932.60 मीटर ऊंचाई पर निर्मित सज्जनगढ़ महल शिल्पकला, प्रकृति प्रेम और दूरदृष्टि का अनुपम उदाहरण है। महल पर गिरने वाली बारिश की हर बूंद को सहेजने का प्रबंध किया गया है। इस महल की वर्षा जल संग्रहण प्रणाली आधुनिक इंजीनियरिंग के लिए भी एक अजूबा है। महल की हर मंजिल पर गिरने वाले वर्षा जल को उसी मंजिल की छत के भीतरी भाग पर निर्मित टंकियों में एकत्रित किया जाकर महल की दीवारों में निर्मित पाइप लाइन से भूतल पर निर्मित पानी की टंकियों में संग्रहित किया जाता था। इन टंकियों में एक लाख 95 हजार 500 लीटर वर्षा जल संग्रहित किया जाता था जो साल भर के लिए महल में रहने वाले लोगों की आवश्यकता को पूरी करता था। वर्तमान में भी 140 साल पुरानी इस वर्षा जल संग्रहण प्रणाली के माध्यम से जल संग्रहण किया जाता है।

सज्जनगढ़ पैलेस में वर्षा जल संचयन के लिए व्यापक व्यवस्था है। यहां एक विशाल 1.95 लाख लीटर का भूमिगत टैंक बना है जो बारिश का पानी इकट्ठा करता है। इसके अतिरिक्त पैलेस की छत पर 2,000 लीटर का एक छोटा टैंक भी है, जहां वर्षा जल संचित किया जाता है। वन विभाग ने भी जल संरक्षण में योगदान दिया है, जिसके तहत अधिकतम वर्षा जल को भूमि में समाहित करने के लिए ट्रेंचेज (खाइयां) बनाई गई हैं। सज्जनगढ़ क्षेत्र में वर्षा जल के संग्रहण के लिए परंपरागत टांके, तालाब, पत्थर की बनी नालियां तथा भूमिगत जल संचयन की व्यवस्था आज भी देखी जा सकती है। किले के चारों ओर स्थित फतह सागर, पिछोला, बड़ी तालाब तथा उदय सागर जैसे जलाशय इस क्षेत्र की जल संवेदनशीलता के प्रमाण हैं।

**पर्यावरणीय जागरुकता का केन्द्र :-** सज्जनगढ़ क्षेत्र एक इको-सेंसिटिव जोन के रूप में विकसित हो रहा है जहां वन विभाग द्वारा विभिन्न जल संरक्षण और हरियाली से जुड़े अभियान चलाए जा रहे हैं। हाल ही स्थानीय वन विभाग और नागरिक सहभागिता से वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए मिट्टी के चेक डैम, स्ट्रक्चर्ड वाटर कैचमेंट एरिया और चारागाह विकास योजना इस क्षेत्र को जल संवहनीयता की दृष्टि से समृद्ध बना रहे हैं।

**नवाचार और सहभागिता :-** सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र को इको-सेंसिटिव जोन घोषित किया गया है। वन विभाग एवं संबंधित प्रशासनिक इकाइयों द्वारा यहां वर्षाजल संग्रहण, मिट्टी के बंध, चेक डैम और वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण करवाया गया है, जिससे क्षेत्रीय जल स्तर को सुदृढ़ बनाए रखने में सहायता मिली है।

**विपुल कुमार,**
**सूचना एवं जनसम्पर्क**
**अधिकारी,**
**उदयपुर।**

# कृषि को बाजार के चक्रव्यूह से मुक्त कर स्वावलम्बन की ओर बढ़ना ही स्थायी समाधान

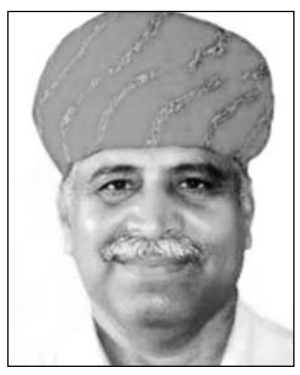

रामपाल जाट

न्याय शास्त्र के अनुसार अपराध बढ़ने पर दंड के विधान कठोर हो जाने चाहिए 1 अपराधी को दंडित होने पर प्रचार-प्रसार ऐसा हो कि जैसे हजारों अपराधी दंडित हो गए हो क्योंकि दंड का विधान नहीं बल्कि दंड का डर ही अपराधों को नियंत्रित करता है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम स्वापक औषधि मन: प्रभावी प्रदार्थ अधिनियम 1985 अधिनियम एवं धन शोधन निवारक अधिनियम 2022 जैसे विधानों का उपयोग इस सिद्धांत की सफलता का संकेत करते हैं। कृषि प्रधान देश में कृषि में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का अमानक होना अक्षम्य अपराध है। इसी प्रकार भारत सरकार खाद्य तेलों में पाम जैसे अखाद्य पदार्थो की मिलावट को भारतीय अपमिश्रण अधिनियम में ढील देने जैसे कदमों को तत्काल वापस लेकर मिलावटियो को संदेश देना चाहिए। ऐसे अपराधो के लिए आजीवन कारावास एवं मृत्यु दंड जैसे प्रावधान होने चाहिए।

किसी भी देश की स्वतंत्रता उसकी खाद्य सुरक्षा पर निर्भर करती है। कृषि उत्पादों का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा से है। इसके उपरांत भी बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968, बीज नियंत्रण अधिनियम 1983, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, कीटनाशक अधिनियम 1964, कीटनाशक नियम 1971 तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 जैसे विधानों के होते हुए भी खाद, बीज एवं कीटनाशकों में मिलावट बढ़ रही है। यह मिट्टी एवं मानव के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इन विधानों में दंड के प्रावधान कठोर नहीं है बल्कि इनमें अधिकतम दंड का प्रावधान 3 वर्ष तक का ही है। वैसे भी इन अधिनियमों को प्रभाव में लाने के समय की परिस्थितियों में अब मूलभूत परिवर्तन हो चुका है। यदि इन्हें कालबाह्य कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं है। दूसरी ओर इस प्रकार के मिलावट करने वालों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वे मिलावट को रोकने के लिए बनाए जाने वाले विधानों के कठोर दंड के प्रावधानो को रोकने के लिए संगठित होकर विरोध ही नहीं कर रहे बल्कि ऐसे राज्यों में कारोबार समेटने की धमकी दे रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य ने 'महाराष्ट्र खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम विधेयक 2023 का प्रारूप बनाया जिसमे ऐसे अपराधो को गैर जमानती रखकर दंड की मात्रा बढ़ोतरी के प्रावधान थे। 7 दिसंबर से नागपुर में होने वाले शीतकालीन सत्र में उन्हें पारित करने की तैयारी कर ली थी। क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया, क्रॉप लाइफ इंडिया, पेस्टिसाइड्स मैन्युफैक्चरर्स एंड फॉम्यूलेटर्स ऑफ इंडिया, एग्रो क्रॉप फेडरेशन ऑफ़ इंडिया ने मिलकर महाराष्ट्र से अपना कारोबार समेट लेने की धमकी दी। वर्तमान में सरकारों को निवेश आधारित विकास का भूत चढ़ा हुआ है उसी दबाव में यह विधेयक विधानसभा में भी प्रस्तुत नहीं हो सका। दूसरा उदाहरण हरियाणा सरकार का है, जिसने बीज (हरियाणा संशोधन) एवं कीटनाशी (हरियाणा संशोधन) विधेयको के द्वारा विधानों में संशोधन कर कारावास एवं अर्थ दंड की मात्रा में बढ़ोतरी की तो तथाकथित व्यापारियों ने हरियाणा में संगठित होकर हड़ताल आरंभ कर दी थी किंतु महाराष्ट्र की अपेक्षा हरियाणा सरकार दबाव में नहीं आई। विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद विधान के रूप में आ गए। यद्यपि इन विधानों में भी कठोर दंड का प्रावधान नहीं है।

हरियाणा में पुराने विधान के अनुसार घटिया बीज बेचने पर 500 रूपए का अर्थदंड, दूसरी बार के अपराध में अधिकतम 6 माह का कारावास एवं 1000 रूपए अर्थदंड का प्रावधान था। संशोधित विधानों में अमानक, मिलावटी या घटिया बीज निर्माता कंपनी के लिए प्रथम बार में 2 वर्ष तक का कारावास 3,00,000 रूपए तक अर्थ दंड, दूसरे अपराध के लिए 3 वर्ष का कारावास तथा 5,00,000 रूपए तक का अर्थ दंड का प्रावधान है। इसी प्रकार विक्रेता को दोषी पाए जाने पर प्रथम बार में 6 माह से लेकर 1 वर्ष तक का कारावास और 50,000 रूपए तक अर्थदंड, दूसरी बार के अपराध में 2 वर्ष तक का कारावास और 2,00,000 रूपए तक का प्रावधान है।

अर्थ दंड में 5 लाख रुपए का प्रावधान है, लाखों-करोड़ों में मिलावट के धंधे से आय उपार्जन करने वालों के लिए यह नाम मात्र का दंड है। जब सांच को आंच नहीं है तब दंड को कठोर करने से विचलन की आवश्यकता नहीं है। ऐसे विधानों के विरोध से ही 'चोर की दाढ़ी में तिनका' की कहावत चरितार्थ होती है। केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2023-24 में बीज, खाद एवं कीटनाशकों के 15,000 नमूने अमानक पाए गए। जिसमे 3,630 खाद 8,988 बीज तथा 2,222 नमूने कीटनाशकों के हैं। भारत सरकार द्वारा स्थापित प्रयोगशालाओ की संख्या खाद के लिए 83, बीजों के लिए 126 तथा कीटनाशकों के लिए 74 है। जबकि देश में 806 जिलों में 140 मिलियन हेक्टर पर 14.5 करोड़ किसान कृषि कार्य करते हैं। कृषिविज्ञान केंद्र सामान्यत: प्रत्येक जिले में है किंतु सरकार द्वारा उनका उपयोग प्रयोगशाला संचालित करने के लिए नहीं करना संदेह उत्पन्न करता है। इसी प्रकार राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के के बिश्नोई ने विधानसभा में कृषि में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों के परीक्षण के लिए बीज एवं उर्वरक प्रयोगशालाओं की संख्या 7-7, राज्य उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला एक ही होने की जानकारी विधानसभा में दी थी। राजस्थान में 13 फर्मो ने अमानक उर्वरक बाजार में बेच दिया, जो खेतों में खप गया, कृषि निदेशालय ने उनके विरुद्ध जांच करने में ही 2 वर्ष का समय व्यतीत कर दिया। उसके उपरांत उनके अनुज्ञा पत्र निरस्त किये गये अर्थात दोषी व्यक्ति दो वर्ष तक अमानक उर्वरको का धंधा करते रहे जिससे अमानक उर्वरक उपयोग में आते रहे हैं। ऐसे अपराध करने वालो की दण्डित होने की सम्भावना की भी अनिश्चिता है। इसी प्रकार की गतिविधिया देश के 26 राज्यों चलने की जानकारी राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने तब दी जब वे कृषि में प्रयुक्त होने वाली अमानक सामग्रियों को रोकने के लिए छापेमारी की कार्यवाही कर रहे थे।

घटिया एवं अमानक बीज, उर्वरक एवं कीटनाशको का धंधा करने वालों का हड़ताल करने का आव्हान सरकार के संरक्षण एवं सहयोग के बिना संभव ही नहीं है। ऐसे समय में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा ऐसे धंधों को रोकने की घोषणा तात्कालिक रूप से आशा का संचार करती है किंतु वास्तविकता अग्नि परीक्षा के बाद ही सामने आएगी। कृषि में प्रयुक्त होने वाली सामग्री में ऐसे अमानक एवं घटिया उत्पादों के निर्माण एवं वितरण को रोकने के संबंध में केंद्र सरकार को विधान बनाने की शक्तियां प्राप्त है। इसीलिए अभी तक के विधान केंद्र द्वारा ही बनाए गए हैं। महाराष्ट्र एवं हरियाणा जैसे राज्य तो उन विधानों में ही संशोधन लाने का काम किया हैं।

स्थायी समाधान की दिशा में कृषि क्षेत्र को बाजार के चक्रव्यूह से बाहर निकालने की आवश्यकता है। क्योंकि कृषि में प्रयुक्त होने वाली सामग्री खाद, बीज, कीटनाशको के लिए किसान पराधीनता की बेडियो में जकड़ा होने से 'पराधीन सपनेउ सुख नाहीं' की स्थिति में है। जब खाद, बीज, कीटनाशक किसान अपने कृषि के लिए स्वयं तैयार करता था तब कृषि में स्वावलंबन होने से किसान अपेक्षाकृत सुखी था। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए तो यह दिशा अपरिहार्य हो गई है

भारत सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान में विज्ञान आधारित अनुसंधान शालाओ एवं खेत की दूरी को समाप्त करने की घोषणा की हुई है। इसके अनुसरण में बीज, खाद एवं कीटनाशकों की प्रौद्योगिकी को किसानों तक पहुचाने की आवश्यकता है। इससे कृषि में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों का निर्माण स्वयं कर सकेगा। तब बाजार के चक्रव्यूह से कृषि क्षेत्र को मुक्ति मिल जाएगी केंद्र एवं राज्यों के कृषि मंत्रालयों को इसी दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए।

**–रामपाल जाट,**
**राष्ट्रीय अध्यक्ष, किसान**
**महापंचायत**

# गंगनहर में 2500 क्यूसेक पानी की आपूर्ति की मांग को लेकर किसानों का धरना जारी

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। गंगनहर में पानी आपूर्ति की मांग को लेकर श्रीगंगानगर में चल रहा किसानों का धरना जारी है। गंगनहर में 2500 क्यूसेक पानी की आपूर्ति की मांग को लेकर श्रीगंगानगर में महाराजा गंगासिंह चौक पर विभिन्न किसानों संगठनों का संयुक्त रूप से अनिश्चितकालीन धरना जारी है। सैकड़ों की संख्या में किसान कलेक्ट्रेट के बाहर महाराजा गंगासिंह चौक पर डटे हुए हैं। किसानों का कहना है कि जब तक गंगनहर में पूरी मात्रा में सिंचाई पानी नहीं छोड़ा जाएगा, तब तक वे नहीं हटेंगे। बुधवार को महाराजा गंगासिंह चौक पर महापंचायत हो रही है। जिसमे जिलेभर के किसान, टेल क्षेत्र के प्रतिनिधि, मजदूर संगठन और जनप्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

धरने का नेतृत्व श्रीकरणपुर विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गंगनहर श्रीगंगानगर की जीवनरेखा है। नहरों में पानी नहीं होने से खेत सूखे पड़े हैं। बीबीएमबी के अनुसार राजस्थान के हिस्से 2500 क्यूसेक पानी तय है। लेकिन 45 आरडी पर 1000 क्यूसेक से भी कम पानी पहुंच रहा है। खखां हेड तक यह घटकर 400 से 700 क्यूसेक रह जाता है। यह गंभीर स्थिति है। सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। सभा में किसान सभा के जिलाध्यक्ष कालू थोरी और किसान नेता रविंद्र तरखान ने पंजाब पर मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की चुप्पी चिंताजनक है। किसानों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया। धरना स्थल पर नेतेवाला के पूर्व सरपंच सुरेंद्र पारीक, राकेश शर्मा, गुरचरण सिंह मोड़, रविंद्र तरखान, बलकार सिंह संधु, परमजीत सिंह समरा, त्रिलोक सिंह समरा, रामस्वरूप मांशु, सोना देवी बावरी, सतविंदर सिंह अटवाल, अवतार सिंह संधु, उपजिला प्रमुख सुदेश मोर, कमला बिश्नोई, बलकरण बराड़ सहित बड़ी संख्या में किसान नेता और जनप्रतिनिधि पहुंचे।

■ **महाराजा गंगासिंह चौक पर किसानों की महापंचायत हुई**

संयुक्त किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा है। इससे पहले मंगलवार को गुरुद्वारा सिंह सभा में प्रेस वार्ता हुई। जिसमें किसान संघर्ष समिति के प्रवक्ता सुभाष सहगल ने कहा कि जून में 2500 क्यूसेक पानी तय होने के बावजूद पंजाब सिर्फ 700-800 क्यूसेक पानी छोड़ रहा है। यह भेदभाव है। जीकेएस के प्रदेश प्रवक्ता संतबीर सिंह मोहनपुरा ने इसे अंतरराज्यीय जल समझौतों का उल्लंघन बताया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। समिति अध्यक्ष अमर सिंह बिश्नोई और संयोजक रणजीत सिंह राजू ने आरोप लगाया कि बीकानेर कैनाल की आरडी 250 से 311 तक हजारों अवैध पाइपों से पानी चोरी हो रही है। इससे टेल क्षेत्र को पानी नहीं मिल पा रहा।

वहीं किसानों के धरने के बाद अब गंगनहर में भी पानी का स्तर बढ़कर 1450 क्यूसेक तक पहुंच गया है। सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ सहित भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने भी किसानों को तय पानी देने की मांग की है। किसानों की ओर से आयोजित आज की किसान महापंचायत को निर्णायक माना जा रहा है। आज की इस महापंचायत में हजारों किसान जुट रहे हैं। किसान संगठनों ने कहा कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

महापड़ाव स्थल पर प्रशासन की ओर से एसडीएम रणजीत बिजारणियां और आईपीएस बी. आदित्य वार्ता के लिए पहुंचे, लेकिन किसान नेताओं ने दो टूक कहा कि जब तक नहर में पूरा पानी नहीं छोड़ा जाएगा, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। विधायक रूपिंद्र सिंह कुनर ने मंच से कहा कि प्रशासन के पास कोई निर्णयात्मक अधिकार नहीं है। विभाग के मंत्री को लाइव आकर आश्वासन देना होगा, तभी वार्ता आगे बढ़ेगी। किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि वे हमेशा बातचीत को तैयार हैं, लेकिन पहले सरकार ठोस कदम उठाए। महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान जुटे और आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया। धरनास्थल पर भीषण गर्मी के बावजूद किसान महापड़ाव में डटे हुए हैं।

## संक्षिप्त

### कृषि विशेषज्ञों ने दिए उन्नत खेती के सुझाव

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिले में प्री मानसून की अच्छी वर्षा हुयी है यानि कि खरीफ फसलों की बुवाई के लिए जमीन में पर्याप्त नमी है तथा मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार राजस्थान में 25 जून से मानसून का आगमन हो सकता है। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर के डीन डॉ उदय भान सिंह के अनुसार किसान बाजरा सहित सभी खरीफ फसलों की बुवाई निर्धारित दूरी पर कतारों में सीडड्रिल से करें तथा बुवाई के समय आवश्यक खाद एवं उर्वरक दें। भरतपुर जिले का किसान खरीफ फसलों की बुवाई छिडकवां विधि से करता है तथा बुवाई के समय उर्वरक नही देता है, इससे उत्पादन में कमी आती है। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि बुवाई पूर्व बीजोपचार भी जरुरी है इससे फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले कीट एवं बीमारियों की रोकथाम हो जाती है। खेतों को खाली छोडने के बजाय हरी खाद हेतु ढैंचा की बुवाई करें।

### दौलत शर्मा बने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक

भरतपुर (निस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रान्त अभ्यास वर्ग 13 से 17 जून सीकर में सम्पन्न हुआ। जिसमें राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्वनी शर्मा, रा.स्व.से.सं. के प्रान्त प्रचारक बाबूलाल जी, प्रान्त संगठन मंत्री पूरन जी का प्रवास रहा। जिसमें प्रान्त अध्यक्ष डॉ. जिनेश जैन द्वारा संगठन दृष्टि से प्रान्त के विविध दायित्वों की घोषणा की। जिसमें कंजौली निवासी दौलत शर्मा को विभाग संयोजक का दायित्व दिया गया। उल्लेखनीय है कि दौलत शर्मा पिछले कई वर्षों से एबीवीपी के साथ जुडकर संगठन राष्ट्र, समाज व छात्र हित में कार्य कर रहे हैं। सीकर में आयोजित चार दिवसीय प्रान्त अभ्यास वर्ग में विभाग संयोजक का दायित्व बार दिया गया है।

### महिला प्रभुजी को अपना घर आश्रम में भिजवाया

भुसावर भरतपुर (निस)। अपना घर सेवा समिति भुसावर के अध्यक्ष राजकुमार बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस थाना भुसावर के ओमप्रकाश की सूचना पर समिति की टीम थाना परिसर पहुँची। टीम ने महिला से जानकारी प्राप्त की, जिसने अपना नाम उषा देवी पत्नी सुदीप साहनी बताया। समिति की टीम ने तुरंत अपना घर आश्रम, भरतपुर को फोन कर एम्बुलेंस मंगवाई और महिला प्रभुजी को भरतपुर आश्रम भिजवाया गया, ताकि उसे उचित देखभाल व सहारा मिल सके। इस अवसर पर समिति के वित्त सचिव श्री अरविन्द बंसल, डॉ. आर. एस. पचहरा, मनीराम धाकड, शेर सिंह सैनी, अशोक भारती आदि सदस्य उपस्थित रहे। अपना घर सेवा समिति भुसावर समाज में ऐसे असहाय और जरूरतमंद व्यक्तियों की सेवा हेतु सदैव तत्पर है।

### जनसुनवाई का आयोजन आज

करौली (निसं.) अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जिला जन अभियोग सतर्कता समिति की मासिक बैठक 19 जून गुरूवार को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रातः 11:00 बजे से भारत निर्माण अटल सेवा केन्द्र जिला कलेक्ट्रेट परिसर के वीसी कक्ष में आयोजित की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश जारी किये है।

### प्रतिभा सम्मान समारोह 22 को

करौला (निसं.)ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाले जिलास्तरीय ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 22 जून रविवार को प्रातः 10:00 बजे से करौली इन मैरिज गार्डन गुलाब बाग में आयोजित किया जायेगा। महासंघ के पदाधिकारियो ने बताया कि प्रातः 10:00 बजे से प्रतिभाओं की उपस्थिति होगी अतः सभी प्रतिभागी 10:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पहुँचें। प्रतिभा सम्मान समारोह में आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 15 जून तक आवेदन करने वाले बोर्ड परीक्षा 2025 के 85 प्रति'त से अधिक अंकप्राप्तकर्ता 1 जनवरी 2024 से अब तक के सरकारी कर्मचारी, नीट,आईआईटी,प्रशासनिक सेवा में चयनित व जिले की विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी, लक्ष्मण मंदिर में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

**अभियान का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें नियमित योगाभ्यास से जोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है**

भरतपुर (निस)। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम पर एकादश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में भरतपुर जिला प्रशासन और आयुर्वेद विभाग संयुक्त रूप से योग काउंटडाउन एट हेरिटेज अभियान चला रहे हैं। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें नियमित योगाभ्यास से जोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 को लेकर जिले में तैयारियां जोरों पर हैं। योग के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने के उद्देश्य से जिलेभर में एक माह का काउंटडाउन योगाभ्यास कार्यक्रम शुरू किया गया है।

आयुर्वेद उपनिदेशक योग प्रभारी डॉ. इंदु शर्मा ने बताया कि बुधवार को योगा टीम ने शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल लक्ष्मण मंदिर परिसर में योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास कराया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एक आध्यात्मिक संस्था के सहयोग से बुधवार को योगाभ्यास कार्यक्रम में अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, निदेशक प्रभा मानस सिंह, कविता दीदी, प्रदीना दीदी, आरएसी कमांडेंट एडवोकेट राकेश एवं डॉ. राजकुमार शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। जिसमें योग एवं प्राकृतिक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने योग योगाभ्यास का लाभ लिया। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, जीवन का विज्ञान है, जीवनशैली को सकारात्मक रखने में अपनी दिनचर्या में योग को अवश्य शामिल रखें। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मनाए जा रहे योग सप्ताह के तहत लक्ष्मण मंदिर परिसर में योग साधना की गई। मंदिर में योग को साधकर आत्मा, प्रकृति और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने का आव्हान भी किया।

उन्होंने बताया कि सवेरे की शांति में ताडासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, त्रिकोणासन, वज्रासन, चक्रासन और सूर्य नमस्कार जैसे विभिन्न योगासनों का अभ्यास करके सकारात्मकता, चेतना और आध्यात्म को आत्मसात किया गया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस न सिर्फ योग के महत्व को समझने का मौका है, अपनी स्वस्थ जीवनशैली की ओर एक नया कदम बढ़ाने का संकल्प लेने का अवसर भी है। योग केवल शरीर की कसरत नहीं है अपितु यह एक आध्यात्मिक और मानसिक अनुशासन है, जो संपूर्ण जीवनशैली को संतुलित बनाता है। जैसे भोजन शरीर के लिए आवश्यक है, वैसे ही योग भी शरीर, मन और आत्मा की आवश्यकता है। यह न केवल बीमारियों से बचाता है, मन को भी एकाग्र करता है। योग काउंटडाउन शिविर में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से योग चिकित्सकों के निर्देशन में योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जा रहा है, जिसका लाभ बडी संख्या में शहरवासी उठा रहे हैं। शिविर में योग प्रभारी डॉ. प्रियंक शर्मा सहित 280 से अधिक लोगों, योग साधकों ने उत्साहपूर्वक सामूहिक योगाभ्यास किया।

## गिरिराज जी की परिक्रमा संपन्न

भरतपुर (निस)। भरतपुर साइकिल क्लब द्वारा आयोजित सात दिवसीय गोवर्धन गिरिराज जी की परिक्रमा मंगलवार को निर्विघ्न संपन्न हो गई। बीसीसी अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल संरक्षक नवीन पाराशर ने बताया कि यह यात्रा 11 जून से प्रारंभ होकर 17 जून को संपूर्ण हो गई बीसीसी का इस वर्ष का यह दूसरा धार्मिक आयोजन था इससे पूर्व मई में दंडोति परिक्रमा का आयोजन किया गया था। बीसीसी के पूर्व अध्यक्ष पंकज गोयल पूर्व सचिव जीवन जैन ने बताया भरतपुर साइकिल क्लब स्वास्थ्य के साथ साथ धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहने का सफल प्रयास करता है। बीसीसी के वरिष्ठ सदस्य धीरज बंसल लोकेश गोयल निकेश सिंघल राहुल कंसल और मनीष गर्ग की अगुवाई में यह सात दिवसीय परिक्रमा का कार्य सातवें दिन गोवर्धन में प्रसादी वितरण कर संपन्न किया। परिक्रमा में नियमित 18 से 20 सदस्य परिक्रमा लगाने जाते थे तथा अंतिम सातवे दिन सभी ने परिवार सहित परिक्रमा लगाई इसमें महिला बच्चे सभी शामिल थे।

## झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिसव मनाया

भरतपुर ( निस )। आजाद सेवा समिति ने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस गाँव सूरौता में मनाया । अध्यक्ष सचिन सूरौता ने बताया कि अभूतपूर्व पराक्रम और शौर्य की प्रतिमूर्ति झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस गाँव सूरौता में नारी शक्ति दिवस मनाया गया। सबसे पहले रानी लक्ष्मीबाई की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रध्दांजलि दीइसके बाद रानी लक्ष्मीबाई के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुऐ सपना फौजदार ने कहा कि झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का जन्म वाराणसी में हुआ थाउनका बचपन का नाम मणिकर्णिका था प्यार से उन्हे मनु कहा जाता था। उन्होने 1857 की क्रांति में अहम भूमिका निभाई थी।ब्रिटिश साम्राज्य के आगे समर्पण न करके ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी और अंग्रेजी सिपाहियों से लडते लडते वीरगति को प्राप्त हुई। उनके जीवन से हम सबको प्रेरणा मिलती है कि किसी भी परिस्थिति में नारी शक्ति ने घबराना नहीं चाहिए। बहादुरी,साहस और दृढ़संकल्प के साथ हर परिस्थिति का डटकर सामना करना चाहिए। रानी लक्ष्मीबाई मरते हुए भी अपना नाम अमर कर गयी और इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड गयी। उनके जीवन से सीख मिलती है कि अपने सम्मान और स्वाभिमान से किसी भी हालात में समझौता नहीं करना चाहिए। इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद समस्त नारी शक्ति ने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई अमर रहे का जयघोष किया एवं उनके जीवन चरित्र पर बनी कविता चमक उठी सन् सत्तावन में वो तलवार पुरानी थी खूब लडी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी का गायन किया।

# पोषक माता-पिता बनने के लिए आवेदन आमंत्रित

भरतपुर (निस)। जिला बाल संरक्षण इकाई भरतपुर की ओर से देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों का पालन पोषण एवं देखरेख (फोस्टर केयर) योजना संचालित है। जिसके तहत भावी पोषक माता पिता बनने के लिये जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा आवेदन मांगे गये है।

सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग राजेश कुमार ने बताया कि पालन पोषण देखरेख (फोस्टर केयर) योजना के तहत ऐसे परिवार, व्यक्ति जो कि देखरेख एवं संरक्षण की आवश्कता वाले बच्चों की पारिवारिक वातावरण में पालन पोषण एवं देखरेख के करने के लिए इच्छुक हों, वो कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई 261, राजेन्द्र नगर भरतपुर में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत 0 से 18 वर्ष की कम आयु के देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले अधिकतम 8 बच्चों की पारिवारिक देखरेख (दत्तक ग्राहण से अलग) उपलब्ध कराई जायेगी।

उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत पोषक परिजनों के लिए योग्यता भावी पोषक परिवार (माता-पिता) की न्यूनतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए, एवं शारीरिक, भावनात्मक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ्य होने चाहिये। उन्होंने बताया कि इच्छुक पोषक परिवार (माता-पिता) एवं परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य होने के प्रमाणन के लिये ह्यूमन इम्यूनों वायरस (एचआईवी), तपेदिक (टीबी) और हैपेटाइटिस बी इत्यादि का चिकित्सीय परीक्षण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इच्छुक पोषक माता-पिता आयकर दाता होने चाहिए एवं पोषक माता-पिता का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज-भावी पोषक माता-पिता निर्धारित आवेदन पत्र के साथ आयु संबंधित प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आयकर रिटर्न पत्र की प्रति, चिकित्सा प्रमाण पत्र, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में स्वंय आकर या मोबाइल नम्बर 7976159833, 8058162127 पर सम्पर्क कर सकते है।

# समस्याओं का 15 दिन में निस्तारण करने के निर्देश दिये

करौली (निसं.) आमजन की समस्याओं की सुनवाई व उनके त्वरित निस्तारण के लिए जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने मंगलवार को नादौती पंचायत समिति की ग्राम पंचायत बरदाला में रात्रि चौपाल के दौरान जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त एवं लम्बित प्रकरणों का पन्द्रह दिन के अन्दर निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जिला कलक्टर ने रात्री चैपाल में प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं को गंभीरता से निस्तारण करने के निर्देश दिये जिससे आमजन को आवश्यक सेवाओं बिजली, पानी, सडक, राजस्व आदि से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना नहीं करना पडेजनसुनवाई में जिला कलक्टर ने परिवादियों की समस्याएं संवेदनशीलता सुनी और उनके शीघ्र निस्तारण के लिए, संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पडे। इस दौरान चंबल प्रोजेक्ट लाईन से पेयजल आपूर्ति करवाने, पानी की टंकी लगवाने, अवैध कनेक्शन व लीकेज हटवाने, पम्प हाउस के लिए बिजली से संबंधित अधूरा कार्य पूर्ण करवाने, हैंडपम्प लगवाने, पीएम आवास, ठोवल सडक के निर्माण कार्य पूर्ण करवाने, अतिक्रमण हटवाने, फॉर्म आईडी कार्ड में नाम ठीक करवाने, रास्ता खुलवाने, सिंचाई मोरी खुलवाने, खोले हुए ट्रांन्सफार्मर को पुनः लगवाने, टूटे हुए पोल को बदलवाने, हाईटेंशन के टूटे तार दुरूस्त करवाने, स्कूल की बिल्डिंग ठीक करवाने, खाद्य सुरक्षा में नाम जुडवाने, बेरोजगारी भत्ता दिलवाने, कन्यादान योजना में शिथिलता प्रदान करवाने, गुजारा भत्ता दिलवाने सहित विभिन्न विभागों के लगभग 70 परिवाद प्राप्त हुए। जिन पर जिला कलेक्टर ने प्रत्येक प्रकरण की व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्रता से नियमानुसार कार्यवाही करने एवं आमजन को लाभान्वित करवाने के निर्देश प्रदान किए। जिला कलेक्टर ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान, धरती आभा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं हरियालो राजस्थान के तहत एक पेड मॉं के नाम वृहद वृक्षारोपण अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें जिससे इन अभियानों को जिले में सफल बनाया जा सके। ताकि पर्यावरण स्वच्छ बन सके साथ ही पंचायतों में उचित साफ-सफाई कर सौन्दर्यीकरण सुनिश्चित करने के लिए भी जिला कलक्टर ने ग्राम वासियों से अपील की।

## समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता

करौला (निसं.) बुधवार को सिटी पार्क करौली में शिक्षक संघ (अम्बेडकर) के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष विष्णु मण्डल का साफा माला पहनाकर अभिनंदन किया संघ के प्रवक्ता रामनाथ प्रजापत ने बताया कि शिक्षक संघ अम्बेडकर करौली के चुनाव विगत दिनों संपन्न हुए जिनमें जिलाध्यक्ष विष्णु मण्डल,सभाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार बागोरिया,कोषाध्यक्ष कुमेश कुमार बैरवा का निर्वाचन अधिकारी घनश्याम मीना,रामकुमार जाटव तथा पर्यवेक्षक साधु राम वर्मा एवं हेमराज सिंह के निर्देशन में सर्व सम्मति से चयन किया गया जिले की संपूर्ण कार्यकारणी आगामी 15 दिवस में घोषणा कर दी जावेगी,सभाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार बागोरिया ने कहा कि शिक्षक संघ के विधानुसार शिक्षक हित में कार्य करेंगे।

# अघोषित बिजली कटौती के विरोध में व्यापारियों ने बाज़ार बंद किये

मेंहदीपुर बालाजी। धार्मिक नगरी मेहंदीपुर बालाजी में अघोषित बिजली कटौती को लेकर व्यापारियों द्वारा किया जा रहा धरना प्रदर्शन नौ घंटे बाद विधायक विक्रम बंसीवाल के

आश्वासन के पर समाप्त हुआ। दरअसल बीते कई दिनों से अघोषित बिजली कटौती की बढी समस्या से जूझ रहे मेंहदीपुर बालाजी के व्यापारियों ने बाजार बंद का ऐलान किया जहाँ बुधवार सुबह से ही व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान नहीं खोले जिसके चलते मुख्य बाजार, उदयपुर रोड पर सन्नाटा पसरा रहो बिजली समस्या को लेकर व्यापार मंडल के नेतृत्व में सभी दुकानदार एकजुट होकर

मुख्य बाजार में धरना प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की वही श्रद्धालुओं की भीड के चलते मंदिर में तो आवाजाही बनी हुई है, लेकिन बाजार में दुकानें बंद होने से खरीदारी नहीं कर पा रहे। इससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड रहा है।धरना स्थल पर पहुंचे समस्या समाधान के लिये पहुंचे दौसा व करौली डिस्कॉम के अधिकारियों को भामाशाह भागीरथ सिंह ने जमकर खरी खोटी सुनाई और विद्युतकर्मियो पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये। वहीं दौसा बिजली विभाग के एसई एमएल मीना ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एक माह के अंदर बिजली समस्या का समाधान हो जायेगा वहीं ग्राम पंचायत की ओर एक बीघा जमीन अलोटमेंट के बाद 15 दिवस में जीएसएस की सेंक्शन करवाने का वादा किया। इसके बाद सिकराय विधायक विक्रम बंसीवाल ने सभी दुकानदारों को मेंहदीपुर बालाजी के लिये अलग जीएसएस बनाने की घोषणा के साथ बिजली विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि व्यापारियो की किसी प्रकार की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कार्रवाई की जायेगी । लोगो द्वारा स्थानीय कर्मचारियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप पर दौसा अधीक्षण अभियंता ने कहा कि व्यापारी भ्रष्टाचार करने वाले कर्मचारियों का नाम बताए उन्हें तुरंत सस्पेंड किया जाएगा।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश सहरिया ने बताया कि विश्व विख्यात धार्मिक नगरी में देश विदेश के लाखो श्रद्धालु बालाजी महाराज के दर्शनों के लिए पहुंचते हैं।

वहीं कस्बें का बिजली सप्लाई का सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। आए दिन कई घंटे की अघोषित कटौती से श्रद्धालुओं के साथ दुकानदार, धर्मशालाओं, गेस्टहाउस संचालक को भारी परेशानी का सामना करना पडता है आज इसके विरोध में बाजार बंदकर विरोध जता रहे है।

वही व्यापार मंडल के मंत्री विजेंद्र मीणा ने बताया कि बिजली कटौती की समस्या के समाधान की मांग को लेकर पिछले दिनों सिकराय उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। यहां प्रतिदिन कई घंटे की अघोषित कटौती की जा रही है, इससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड रहा है।

# ब्रह्माकुमारीज ने दिया 'विश्व एकता और विश्वास' का संदेश

भरतपुर (निस)। प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय विश्व शांति भवन भरतपुर की ओर से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग सप्ताह के अंतर्गत संस्था की वर्तमान थीम विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान के अंतर्गत एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य विषय पर 11वाँ अंतराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भ्राता मानस सिंह आईएफएस निदेशक, बर्ड सेंचुरी भरतपुर रहे,अध्यक्षता ब्र. कु.कविता दीदी सह प्रभारी आगरा सबजोन, जिला प्रभारी ब्रह्माकुमारीज भरतपुर, विशिष्ट अतिथि राहुल सैनी, एडीएम सिटी, भरतपुर डॉ. इन्दु शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग संभाग भरतपुर, गणपति महावर, कमांडेंट , 7वीं आरएसी बटालियन, भरतपुर, राकेश सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता , भरतपुर। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र. कु. बबीता दीदी, सह प्रभारी भरतपुर, प्रभारी रूपवास, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र. कु. हीरा बहन, प्रभारी नगर,ब्र.कु.पूनम बहिन, सीकरी,ब्र.कु.गीता बहिन बैर, भुसावर की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वरीय स्मृति के गीत के साथ हुई एवं सभी अतिथियों का तिलक ,बैज ,एवं अंतराष्ट्रीय योग दिवस की बेल्ट पहनाकर स्वागत किया। कुमारी स्नेहा भंडारी ने सुंदर गीत के माध्यम से आरती ले भारती ले पथ निहारती स्वागत नृत्य की प्रस्तुती दी। एवं इसके पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा दीप जगा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ब्रह्मा कुमारीज की ओर से योगा टीचर ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी, ब्रह्माकुमारी गीता बहन, ब्रह्माकुमार रणवीर भाई,योगिता बहन ने सभी को योग एक्सरसाइज भी कराई इसके पश्चात सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात साहित्य एवं प्रसाद भेंट किया गया कार्यक्रम के अंत में ब्र.कु.पूनम बहिन, ने राजयोगी बनके सीखो फूलों जैसा मुस्कराना गीत सुनाकर कार्यक्रम का समापन किया इस कार्यक्रम में 500 से अधिक भाई बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी को जल पान एवं ईश्वरीय प्रसाद भी भेंट किया इस अवसर पर ब्र. कु. योगता बहिन,ब्र.कु. पावन बहिन,ब्र. कु.रजनी बहिन,ब्र. कु. जागृति बहिन,ब्र. कु.अनू बहिन,ब्र. कु. वर्षा बहिन,नंदनी बहिन ,ज्योति ,अनामिका ,जयसिंह, डॉ योगेंद्र, कर्नल तेजराम, गिर्राज, संजय, लोकेश, खुशीराम,धीरज, दीपक, महेश ,ओमप्रकाश,बिंदु बहिन,प्रेम बहिन, कमलेश ओमवती माता भी उपस्थित रही स कुशल मंच संचालन ब्र.कु.प्रवीणा बहिन ने किया।

## वन विभाग का कार्यक्रम आयोजित

करौला (निसं.) वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में वन विभाग द्वारा बुधवार को विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गई। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि हरियालो राजस्थान की पूर्व तैयारी के लिए पौधारोपण हेतु गड्ढे खोदे गए, सीसीटी और एसजीटी कार्यों की शुरुआत की गई। वन क्षेत्र में विद्यमान जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकाली गई। विभागीय योजना के अंतर्गत निर्मित जल संग्रहण संरचनाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही तुलसी के पौधों का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान-2.1 के अंतर्गत पूर्ण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

## सार-समाचार

### योग दिवस की तैयारी में जुटा क्लब

भरतपुर (निस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की तैयारी के संबंध में विश्व प्रिय शास्त्री पार्क में डायमण्ड मार्निंग वॉकर क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनय सिंघल द्वारा सभी सदस्यों को नियमित योग अभ्यास करवाया जा रहा है। उनके द्वारा सभी आसनों की जानकारी उनके फायदे के साथ-साथ करने का अभ्यास करवाया गया। आधुनिक जीवन में हमारे खानपान में हो रहे बदलाव बिमारी का बड़ा कारण है जिसे नियमित व्यायाम से दूर किया जा सकता है। इस अवसर पर अध्यक्ष रामअवतार कोठारी, सचिव भागचन्द बंसल, राजकुमार अरोडा, भारत अठावाल, संजीव सिंघल कोको, दिनेश गोयल बबली, भारत शर्मा, केबी बंसल, राजू चौधरी, देवेन्द्र बंसल आदि सदस्य उपस्थित थे।

### कार्यशाला आयोजित

भरतपुर (निस)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, राजस्थान सरकार के अटल इनोवेशन स्टूडियो एवं एक्सीलरेटर प्रोग्राम के तहत, ओपन स्पेस सोसाइटी जयपुर के सहयोग से आई स्टार्ट इन्क्यूबेशन सेंटर भरतपुर में स्मार्टफोन फोटोग्राफी कार्यशाला बुधवार को आयोजित की गई। एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर इनक्यूबेटर सेंटर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग हरि मोहन शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में 30 से अधिक युवाओं, स्टार्टअप्स, कंटेंट क्रिएटर्स और फोटोग्राफी के शौकीनों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि जिसमें प्रतिभागियों को स्मार्टफोन के माध्यम से स्मार्टफोन कैमरा फीचर्स की समझ, लाइट, फ्रेमिंग और कंपोजिशन में बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि विभिन्न शैलियों में प्रभावशाली फोटोग्राफी'दैनंमिमक और स्पहीजतवक्ष से एडिटिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए कंटेंट निर्माण, व्यक्तिगत अथवा पेशेवर पोर्टफोलियो बनाना, एक्सपर्ट्स से लाइव फीडबैक और नेटवर्किंग विजुअल कंटेंट निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया।

### भव्य सम्मान समारोह

भरतपुर (निस)। मसूरी उत्तराखंड के मशहूर सेवॉय होटल में आयोजित साहित्य सम्मेलन में भरतपुर के लोकप्रिय कवि और डॉ. कुसुम शर्मा हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. लोकेश नीरज ने अपने और अपने नाती मास्टर युवान के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अपनी पुस्तक के नए भाग का विमोचन किया। इस अवसर पर उनका सम्मान पुलिस अधीक्षक और पूर्व मुख्य सुरक्षा अधिकारी अखिलेश यादव (पूर्व मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश) द्वारा राइटर्स बार में शॉल एवम माला पहना कर किया गया। इस मौके पर मसूरी के नाम चीन साहित्यकार उपस्थित रहे गौरतलब रहे की यह बार साहित्य के बडे नाम जैसे की रसकिन बांड , श्री गणेश सैली, पर्ल एस बक , स्टीफन आल्टर , और फ़िल्म जगत के नामचीन हस्तियो जैसे टॉम आल्टर विशाल भारद्वाज, विक्टर बैनर्जी आदि से संबंधित रहा है।

### कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर (निस)। राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा उपभोक्ता संगठनों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभमणी फाउंडेशन के सचिव शुभनेस पाराशर एड ने बताया कि उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव सुबीर कुमार एवं विभाग की निदेशक पूनम सागर, उप निदेशक संजय झाला, सीबीआई के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ अनंत शर्मा, सीसीआई के राष्ट्रीय सचिव मुकेश वैष्णव,सवेरा समिति के अनिल गोयल, संभागीय उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी संजीव शर्मा सहित अन्य जिलों से आए उपभोक्ता संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपभोक्ता मामले विभाग की मीटिंग के बाद भारतीय मानक ब्यूरो जयपुर शाखा की प्रमुख निदेशक कनिका कालिया ने भी उपभोक्ता संगठनों के साथ संवाद किया इस अवसर पर निदेशक कनिका कालिया ने कहा कि आगामी दिनों में उपभोक्ता संगठनों के साथ मिलकर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा इस अवसर पर शुभमणी फाउंडेशन के सचिव शुभनेस पाराशर एड. ने कहा कि भरतपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को जागरूक करने बहुत बडी आवश्यकता है

### शुभम जाट ने पहले प्रयास में नीट में हासिल की सफलता

हिण्डौन सिटी। क्यारदा खुर्द गांव के शुभम जाट, पुत्र भूर सिंह जाट, ने नीट 2025 में अपने पहले ही प्रयास में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक 9815 और ओबीसी कैटेगरी में 4102 रैंक हासिल की है। शुभम अपने गांव से नीट के माध्यम से डॉक्टर बनने वाले पहले युवा होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल है। शुभम ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने दादाजी-दादीजी, माता-पिता, चाचा-चाची, प्रेमसिंह पहलवान, बड़े भाई सागर सिंह, बडी बहनों शोभा और सरिता, कुंवर सिंह (मावडा) और विक्रम सिंह गुर्जर (लपावली) को दिया है, जिनकी प्रेरणा और समर्थन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। शुभम ने रोजाना 10-12 घंटे की कठिन मेहनत और अनुशासित पढ़ाई के दम पर यह सफलता हासिल की। शुभम ने अपनी स्कूली शिक्षा निर्मल स्कूल, हिण्डौन से पूरी की, जहां उन्होंने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शुभम की इस सफलता पर गांव और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शुभम की मेहनत और लगन अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शुभम का सपना है कि वह एक कुशल डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करें और अपने गांव का नाम और ऊंचा करें।

### जिला कलक्टर ने किया योगा पोस्टर का विमोचन

करौला (निसं.)(फोटो-पी-1) आयुर्वेदिक विभाग के उपनिदेशक डॉ. नंदकुमार शर्मा ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम श्री दिंगबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर परिसर श्री महावीरजी में प्रातः 6:00 से 7:00 बजे तक आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जिले में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर करौली में श्री मदनमोहन जी मंदिर परिसर,अंजनी माता मंदिर,शाहीकुण्ड,रणगंवा ताल,पांचना बांध,कैलादेवी मंदिर परिसर,सपोटरा में माँ गुमानो देवी मंदिर प्रांगण,टोडाभीम में श्री मेंहदीपुर बालाजी मंदिर प्रांगण एवं नादौती में गढमोरा देवनारायण मंदिर परिसर सहित सभी ब्लॉक स्तर स्कूल में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।जिसको लेकर जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने योगा पोस्टर का विमोचन किया।

### समता आंदोलन समिति की बैठक संपन्न

करौली (निसं.) समता आंदोलन समिति कि बैठक मे 18वे स्थापना दिवस को धूमधाम के साथ 29 जून को मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाए जाने के लिए,विवेक विहार के हनुमान मंदिर पर एक बैठक का आयोजन किया गया।समता आंदोलन के जिला अध्यक्ष नरेश सिंह बिनेगा ने बताया की समता आंदोलन देश को आर्थिक आधार पर संपन्न राष्ट्र के साथ समता मूलक समाज की संकल्पना करता है। जिसमें रहने वाले सभी लोग रोजगार के समान अवसरों का समान रूप से लाभ प्राप्त कर सकें जाति के आधार पर देश में रहने वाला कोई भी व्यक्ति राष्ट्रीय योजनाओं से वंचित नहीं रहे। आर्थिक आधार पर अक्षम लोगों को राष्ट्रीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हो समता आंदोलन के जिला सचिव ईश्वरी शरण शर्मा ने जाति के आधार पर देश की प्रतिभाओं के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं हो आपसी भाईचारा एवं प्रेम व्यवहार के साथ सामाजिक समरसता बनाए रखे जाने के लिए तथा सभी नागरिकों को बिना जातिगत भेदभाव के आधार पर रोजगार के समान अवसर उपलब्ध करवाए जाने के लिए देश के जागरूक नागरिकों के द्वारा विधि संवत कार्य किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। शर्मा ने बताया कि स्थापना दिवस को मनाये जाने के लिए प्रत्येक दिन कॉलोनी बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने बताया कि आज गुरूवार को समिति कि बैठक अरावली नगर राजपूत कॉलोनी करौली में आयोजित की जाएगी बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार स्थापना दिवस मनाये जाने के स्थान के संदर्भ में शीघ्र समता आंदोलन की विचारधारा रखने वाले कार्यकर्ताओं को अवगत कराया जाएगा बैठक में संगठन की मजबूती के लिए मुकेश सारस्वत एवं रमेश चंद शर्मा गोलारे वाले ने अपने विचार रखें इस दौरान रघुवीर सिंह जादौन,दिनेश चंद्र लवानिया,रामावतार शर्मा,डॉ. देव कुमार शर्मा,भंवर सिंह,नरेंद्र सिंह,वीरू,मनोज शर्मा के अलावा अन्य काफी तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पहाड़ी पुलिस और दो कुख्यात गो तस्करों के बीच मुठभेड़, एक तस्कर की मौत

## मुठभेड़ के बाद दोनों घायल पिता-पुत्र गो तस्कर को पहाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया था

- दोनों आरोपियों को घायल स्थिति में आरबीएम अस्पताल रेफर किया, जहां पुत्र ने दम तोड़ दिया
- गोलियों की आवाज सुन गायों से भरी टाटा 407 लेकर बाकी गौ तस्कर फरार हो गए

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

**डीग/भरतपुर,** (निसं)। डीग जिले की पहाड़ी पुलिस और दो कुख्यात गो तस्करों के बीच करीब आधा घंटे तक मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद दोनों गौ तस्करों को पहाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों गो तस्कर पिता और पुत्र हैं जो करीब तीन साल से फरार चल रहे थे। दोनों आरोपियों को घायल स्थिति में आरबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां पुत्र ने दम तोड़ दिया, जिसके शव को आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हालांकि इस मुठभेड़ के दौरान तीन पुलिसकर्मियों के भी चोट लगी है।

पहाड़ी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि हासम उर्फ काढ़ा और उसके बेटे आशिक को गिरफ्तार किया गया। दोनों पर गो तस्करी के आरोप है और पुलिस ने हासम पर 45 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। पुलिस ने बताया कि जब वे आरोपियों को पकड़ने पहुंची, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में दोनों पिता-पुत्र घायल हो गए और बाद में आशिक की इलाज के दौरान आरबीएम अस्पताल में मौत हो गई। फिलहाल, टीम जांच कर रही है कि दोनों तरफ से कितने राउंड फायरिंग हुई। घटना करीब ढाई बजे की है।

हासम उर्फ़ काढ़ा अपने बेटे आशिक और अन्य दो साथियों के साथ बाइक पर टाटा 407 को एस्कॉर्ट कर रहा था। जिसकी सूचना पुलिस को लगी तभी पुलिस घाटमिका गांव के पास पहुंची। पुलिस को देखते ही काढ़ा और उसके साथियों ने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गौ तस्करों के ऊपर फायरिंग की, इस गोलियों की आवाज सुन गायों से भरी टाटा 407 लेकर बाकी गौ तस्कर फरार हो गए। काढ़ा उसका बेटा और दो अन्य गौ तस्कर पुलिस पर फायरिंग करते रहे। करीब 30 मिनट तक दोनों की तरफ से जमकर फायरिंग हुई। घटना में काढ़ा और उसके बेटे के गोली लगी जिसके बाद दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीन पुलिसकर्मियों के भी मुठभेड़ में चोटें आई हैं। काढ़ा और उसका बेटा कनवाड़ी गांव के रहने वाले हैं। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

# मेवाड़ होते हुए लगभग आधे राजस्थान में पहुंचा मानसून

## मानसून के 20 जून को राजस्थान में प्रवेश का अनुमान था, लेकिन दो दिन पहले ही दस्तक दी

- उदयपुर शहर में 24 घंटे में करीब पौने तीन इंच बारिश दर्ज की गई, कई इलाकों में पेड़ गिरे, दूधतलाई प्रवेश द्वार से मलबा गिरा
- उदयपुर जिले में गोगुंदा, झाड़ोल, खेरवाड़ा में दो-दो इंच बारिश दर्ज की गई
- आगामी 5 से 7 दिनों तक कोटा और उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई

**उदयपुर,** (का.सं.)। मानसून बुधवार को मेवाड़ होते हुए लगभग आधे राजस्थान में पहुंच गया है। बुधवार को कुछ देर पहले ही मौसम विभाग ने दक्षिण पश्चिम मानसून के राजस्थान में प्रवेश की घोषणा कर दी है। मानसून के 20 जून को राजस्थान में प्रवेश का अनुमान था, लेकिन उससे दो दिन पहले ही मानसून ने राजस्थान में प्रवेश कर लिया है। प्रदेश में आज मानसून का प्रवेश दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर संभाग के जिलों और दक्षिणी पूर्वी क्षेत्र से हुई। उदयपुर संभाग में उदयपुर, बांसवाड़ा-डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ से मानसून ने प्रवेश किया। उदयपुर शहर में बुधवार सवेरे से शहर में रुक-रुक कर रिमझिम बारिश हुई।

उदयपुर में मंगलवार रात करीब नौ बजे से बारिश का दौर शुरू हुआ जो करीब डेढ़ घंटे तक चला। रात दो बजे बाद वापस बारिश का दौर शुरू हुआ था। बुधवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। बुधवार सुबह भी शहर में कई जगह लगातार हल्की बारिश हुई। इससे पहले उदयपुर में मंगलवार रात प्री-मानसून की अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को मानसून राजस्थान में पहुंच गया है। मानसून की उत्तरी सीमा बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर से होकर गुजर रही है। आगामी 2-3 दिनों में मानसून राज्य के कुछ और भागों में आगे बढ़ सकता है।

मानसून मंगलवार को गुजरात होते हुए राजस्थान की सीमा के करीब पहुंचा था। बीती रात और बुधवार सुबह उदयपुर सहित राजस्थान के कई भागों में बारिश हुई। उदयपुर शहर में 24 घंटों में 66 मिलीमीटर यानी करीब पौने तीन इंच बारिश दर्ज की गई है। झीलों के कैचमेंट में भी कई जगह उम्मीद अनुरूप बादल बरसे। नाई क्षेत्र में दो इंच बारिश हुई। उदयपुर में चेतक स्थित जल संसाधन विभाग के वर्षा मापक केंद्र पर 35 मिलीमीटर जबकि गिर्वा तहसील कार्यालय के वर्षामापक केंद्र पर 66 मिमी बारिश दर्ज की गई।

उदयपुर जिले में मंगलवार रात मौसम ने करवट ली और कई हिस्सों में तेज़ बारिश हुई।

देर रात शुरू हुई बारिश ने शहर सहित ग्रामीण इलाकों में जनजीवन पर असर डाला। सबसे गंभीर स्थिति दूधतलाई क्षेत्र में देखने को मिली, जहां मुख्य प्रवेश द्वार से मलबा और पत्थर नीचे गिर गए। गनीमत रही कि घटना रात के समय हुई जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

बारिश का दौर रात करीब 9 बजे शुरू हुआ और डेढ़ घंटे तक लगातार जारी रहा। फिर देर रात दो बजे से दोबारा तेज़ बारिश हुई।


**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. SHAHABAD**
File No. 386 Date:- 05-06-2025

**Notice Inviting Bid**

Bid for "वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सडक मरम्मत कार्य" NIT No. 10/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 26.06.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 205.00 lacs.
UBN No.-
1. PWD2526WS0803848, 2. PWD2526WS0803849, 3. PWD2526WS0803850

(Hari Prasad Meena)
Executive Engineer
PWD Division Shahabad

DIPR/C/7741/2025


# 159 किलो गांजा सहित दो आरोपी गिरफ्तार

## अवैध मादक पदार्थ गांजा को भीलवाड़ा के रास्ते सप्लाई किया जाना था

कोटा व भवानीमंडी नारकोटिक्स टीम ने अवैध मादक पदार्थ को लेकर कार्रवाई की।

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) की टीम ने कोटा-चित्तौड़गढ़ मार्ग पर जिला भीलवाड़ा तहसील के बिजौलियां के नला का माता जी मंदिर के समीप कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। अवैध मादक पदार्थ गांजा को भीलवाड़ा के रास्ते सप्लाई किया जाना था।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से कोटा-चित्तौड़गढ़ मार्ग के रास्ते मादक पदार्थ तस्करों को गांजा का बड़ा स्टॉक देने जा रहे हैं। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि उक्त सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भवानीमंडी सेल और कोटा के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और तहसील बिजौलियां के नला का माता जी मंदिर के समीप कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल की पहचान करने के बाद दल ने मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को रोका और तलाशी ली गई तो उनके पास से अवैध मादक पदार्थ 159.075 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि अवैध गांजा और बाइक को जप्त किया गया और टीम ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

# खाजूवाला तिहरे हत्याकांड में दो आरोपी और गिरफ्तार

- अभी तक पुलिस मास्टरमाइंड केबी शिवा तक नहीं पहुंच पाई है

**बीकानेर,** (निसं)। जिले के खाजूवाला तिहरे हत्याकांड में पुलिस ने दो और गिरफ्तारियां की हैं, लेकिन अभी तक पुलिस मास्टरमाइंड केबी शिवा तक नहीं पहुंच पाई है। आरोपी को जिले के राजीव सर्किल से बस में भगाया गया था, जिसने आरोपी को भगाया उसे पुलिस ने दबोच लिया है।

खाजूवाला थाना प्रभारी सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि इस मामले में जोधपुर के रामस्वरूप को गिरफ्तार किया गया है। रामस्वरूप और मनोज को पुलिस ने घटना के दूसरे दिन मेड़ता रोड स्टेशन से हिरासत में लिया था। उसका पीबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां से अब रामस्वरूप को गिरफ्तार कर लिया गया है। मनोज का अभी इलाज चल रहा है। प्रजापत ने बताया कि जोधपुर के हीरादेसर निवासी रामस्वरूप जाट इस पूरे मामले में शामिल बताया जा रहा है। वह तंत्र-मंत्र करके लोगों को पैसे दोगुना या उससे भी ज्यादा करने का झांसा देकर ठगने वाले गिरोह का सदस्य बताया जा रहा है। रामस्वरूप से इस मामले में कई नए खुलासे हो सकते हैं। बेरियावाली निवासी यूसुफ अली को भी गिरफ्तार किया गया है। यूसुफ पर पैसे लूटने और मारपीट करने का भी आरोप है। यूसुफ पर आरोप है कि उसने बी शिवा को राजीव सर्किल पर छोड़ा था, जहां से वह भाग गया। अब उसे गिरफ्तार करने के लिए तकनीकी टीम लगी हुई है।

प्रजापत ने बताया कि सलमान की कार से 40 लाख रुपए बरामद हुए थे। इससे पहले गिरफ्तार किए गए बेरियावाली निवासी मुश्ताक पडियार को 3 दिन की पीसी रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अभी उससे पूछताछ कर रही है। सलमान के घर के पास से उसकी कार से 40 लाख रुपए बरामद हुए थे। तंत्र-मंत्र मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी पुलिस एसपी कावेंद्र सिंह सागर और एडिशनल एसपी कैलाश जांदू लगातार इस मामले की जांच कर रहे हैं। सीओ अमरजीत सिंह चावला भी बी. शिवा की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटे हैं।

## विवाहिता की मौत

**बीकानेर,** (निसं)। यहां गंगाशहर थाना क्षेत्र में दहेज हत्या का मामला सामने आया है। मृतका के भाई ने पुलिस को रिपोर्ट दी है कि उसकी बहन को दहेज के लिए परेशान किया जाता था। उसे बाइक से धक्का देकर गिराया भी गया। इलाज के दौरान पीबीएम हॉस्पिटल में उसकी मौत हो गई।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार गजनेर निवासी मुरारीलाल शर्मा ने दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में कहा कि उसकी बहन सरस्वती की मौत संदिग्ध है। शादी के समय उसकी बहन के ससुराल वालों को काफी सामान दिया गया था। इसके बाद भी उसे परेशान किया जाता था। पिछले दिनों ससुराल वाले उसे डॉक्टर को दिखाने के बहाने बाइक पर लेकर गए थे। रास्ते में उदयरामसर-आंबासर रोड पर रेलवे लाइन के पास उसे बाइक से धक्का देकर गिरा दिया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भाई ने आरोप लगाया कि साल 2019 में शादी के बाद से दहेज के लिए लगातार परेशान किया जाता रहा है।


**OFFICE OF THE SUPERINTIENTING ENGINEER PWD DIVISION BEAWA**
NIB NO. :- PWD2526A1093 - PWD2526A1095

**Notice Inviting Bid No. 01/2025-26**

Bids for 03 No. Works are Invited from interested bidders upto 12.00 PM 25 June. 2025 Other particular of the bid may be visited onthe procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the State, and DIPR departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 516.00 Lacs.

| S.No. | NIB No. | UBIN No | Amount (Lac) |
|---|---|---|---|
| 1. | PWD2526A1093 | PWD2526WSOB03641 | 168.00 |
| 2. | PWD2526A1094 | PWD2526WSOB03646 | 174.00 |
| 3. | PWD2526A1095 | PWD2526WSOB03647 | 174.00 |

DIPR/C/7678/2025 Superintending Engineer, PWD Circle Beawar



**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बौली**
क्रमांक :134 दिनांकः 5.06.2025

**ई-निविदा सूचना संख्याः 01/2025-26 खण्ड-बौली**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड कार्यालय के अधीन उपखण्डो में वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सड़क मरम्मत कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO. :- PWD2526WSOB03707, PWD2526WSOB03709, PWD2526WSOB03710 PWD2526WSRC03711, PWD2526WSRC03712, PWD2526WSRC03713 PWD2526WSRC03714
DIPR/C/7640/2025 अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि.खण्ड-बौली



**Office of The Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)**
No.- 800 Date-11.06.2025

**Notice of Inviting Bid**

Bid for Rate Contract of Construction Material Supply under MGNAREGA and Work tenders of various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

| Name of Gram Panchayat | UBIN | Estimate Bid cost |
|---|---|---|
| Narsana | ZJR2526GLRC00499 | 60.00 Lakh |
| Menglwa | ZJR2526GLRC00492 | 60.00 Lakh |
| Anwloj | ZJR2526GLRC00489 | 50.00 Lakh |
| Bhandavpur | ZJR2526GLRC00488 | 50.00 Lakh |
| Menglwa (Work Tender) | ZJR2526WSOB00493 | 05.99 Lakh |
| | ZJR2526WSOB00494 | 05.00 Lakh |
| Vishala | ZJR2526WSOB00495 | 10.00 Lakh |
| | ZJR2526WSOB00496 | 05.59 Lakh |
| | ZJR2526WSOB00497 | 05.59 Lakh |
| Anwloj | ZJR2526WSOB00498 | 10.00 Lakh |

DIPR/C/8030/2025 Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)


# रिश्वत लेते दो गिरफ्तार

**जयपुर/अजमेर।** एसीबी अजमेर टीम ने बुधवार को पटवारी और चैन मैन को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते दबोचा है। आरोपी परिवादी से पैतृक कृषि भूमि के विरासत का नामान्तरण खोलने की एवज में रिश्वत मांग रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी अजमेर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि गांव एकलसिंघा तहसील भिनाय अजमेर में सामलाती कृषि भूमि का परिवादी के पिताजी की मृत्यु के पश्चात विरासत का नामान्तरण खोलने की एवज में पटवारी विकास कुमार की ओर से 5 हजार 500 रुपए रिश्वत की मांग रहा है। एसीबी चौकी अजमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द्र के नेतृत्व में बुधवार को ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पटवारी विकास कुमार एवं चैन मैन पन्ना को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

# 688 किलो डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

- एक ट्रक कंटेनर से 34 कट्टों में डोडा-चूरा बरामद किया

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस ने तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जैसे-जैसे तस्कर तस्करी करने के नए-नए जुगाड़ अपना रहे हैं, वैसे-वैसे पुलिस भी इन तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक कंटेनर से 34 कट्टों से 688 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए रायला थाना प्रभारी बछराज चौधरी टीम के साथ थाने के बाहर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। वहीं नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से पुलिस को देख एक व्यक्ति भाग गया। ट्रक कंटेनर की तलाशी ली तो चालक द्वारा सन्तोषपद जवाब नहीं दिया गया जिसके चलते तलाशी लेने पर ट्रक में बने खुफिया केबिन में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा भरा हुआ था। जिसकी कीमत बाजार में लाखों रुपये आंकी जा रही है। आरोपी तस्कर परगट सिंह पिता दशरथ सिंह मजहबी सिख निवासी दोड़दा थाना मवी कला पटियाला पंजाब को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी बच्छराज चौधरी नारायण सालवी, राजेश, विक्रम, बनवारी, दुलीचंद थे।


**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त जालोर**
क्रमांकः अअ/वृत्त/जा/2025-26/458-474 दिनांकः 02.06.2025

**निविदा सूचना संख्याः 04 वर्ष 2025-26**
**NIB No. PWD2526A0975**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से अटल प्रगति पथ निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 05 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 865.00 लाख है, अतः उक्त कार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख | 06 जून 2025 प्रातः 10.00 बजे से से 27 जून 2025, सायं 6:00 बजे तक |

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
NIB No. PWD2526A0975
यूबीएन नं.- 1. PWD2526WSOB03197, 2. PWD2526WSOB03201
3. PWD2526WSOB03202, 4. PWD2526WSOB03205, 5. 5 PWD2526WSOB03208

अधीक्षण अभियन्ता
(डी.आर. माथव) सा.नि.वि. वृत्त, जालोर
मोबाईल 9414325400

DIPR/C/7446/2025



**कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर**
क्रमांक :- उ.व.सं.धौ/लेखा/निविदा/2025-26/3878 दिनांक : 11.06.2025

**Notice Inviting Bid**

Bid for rate contract for supply of polythene bags are invited from interested bidders upto 4.00 PM, 23.06.2025. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and https://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the Procurement is 15.00 lakhs.
UBN No.- FOR2526GLRC00541
DIPR/C/8061/2025 उप वन संरक्षक, धौलपुर



**कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक**
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, प्रतापनगर, उदयपुर
(विशाल पेट्रोल पम्प के सामने जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण परिसर)
क्रमांक : एफ ()/ निविदा/MJSA2.2/PMKSY 2.0/2025-26/367 दिनांक : 10.06.25

**ई निविदा सूचना 16-21/2025-26**

एमजेएसए 2.2 द्वितीय चरण (राज्य मद) के अन्तर्गत ब्लॉक भीण्डर, वल्लभनगर, गिर्वा, रिषभदेव, सायरा एवं पीएमकेएसवाये 2.0 (जलग्रहण घटक) चरण प्रथम परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत गोगुन्दा (कुल 6 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्य / ईएफए के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 414.87 लाख रुपये दिनांक 20.06.2025 को दोपहर 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती है। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते है।
यूबीएन संख्या : WSC2526WS0B00475, WSC2526WS0B00476, WSC2526WSOB00477, WSC2526WSOB00478, WSC2526WSOB00479, WSC2526WSOB00480

अतिरिक्त अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, प्रतापनगर, उदयपुर
DIPR/C/7972/2025



**Govt of Rajasthan**
**Directorate of Integrated Child Development Services (ICDS)**
2, Jalpath, Gandhi Nagar, Jaipur, Rajasthan
F.3(354) पो./लैब टेण्डर/आईसीडीएस/2025-26/66874 दिनांक-02.06.2025

**Notice Inviting Bid - 01-2025/26**

Bids for Laboratory testing of supplementary nutrition recipes, Skimmed Milk Powder (Spray Dried) And Whole Milk Powder sample under ICDS Programme are invited from intrested bidders up to 2:00. PM (time) on 24.06.2025. (date). Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:sppp.raj.nic.in) of the state ; and www.wcd.rajasthan.gov.in departmental website.
UBN. ICD2526SLOB00034

(Director)
(ICDS)
DIPR/C/7840/2025


# पति की हत्या के मामले में पत्नी समेत तीन को आजीवन कारावास

- गला दबाकर मारा था, पत्नी ने बहनोई के साथ पटरियों पर लाश फैंक दी थी
- छह साल बाद श्रीडूंगरगढ़ एडीजे कोर्ट ने पत्नी सहित तीन जनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

**बीकानेर,** (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में एक युवक को पहले गला दबाकर मार दिया गया, इसके बाद उसकी लाश को पटरी पर फेंक दिया गया। रेल उसके ऊपर से गुजर गई और हत्या को आत्महत्या का मामला बताने का प्रयास किया गया। दो-तीन दिन तक तो इसे सुसाइड माना गया लेकिन बाद में मृतक के बड़े भाई ने इसे हत्या बताते हुए भाई की पत्नी सहित तीन के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस जांच में शक सही पाया गया और अब छह साल बाद श्रीडूंगरगढ़ एडीजे कोर्ट ने पत्नी सहित तीन जनों को आजीवन कारावास की सजा सुना दी है।

मामला 18 मार्च 2019 का है। महाराष्ट्र के अकोला में काम करने वाला सहीराम अपने घर आया हुआ था। शाम के वक्त वो गांव में डफ की थाप पर होने वाला नृत्य गींदड़ देखने बाहर निकल गया। देर रात तक वापस नहीं आया। सुबह उसका शव रेल पटरियों पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। पुलिस ने इसे सुसाइड केस मानते हुए मर्ग दर्ज कर ली। वहीं सहीराम के बड़े भाई को दो दिन बाद सहीराम की पत्नी पर शक हुआ और उसने पुलिस में हत्या का मामला दर्ज करा दिया।

आरोप था कि मृतक की पत्नी इंद्रा ने अपने बहनोई शंकरलाल के साथ मिलकर सहीराम को मार दिया और बाद में शव को रेल पटरियों पर फेंका है। पुलिस की जांच में साबित हुआ कि न सिर्फ इंद्रा और शंकरलाल बल्कि उनके साथ एक अन्य रामेश्वर नामक युवक भी इस हत्याकांड में शामिल है।

जब सहीराम गींदड़ देखने गया, तब शंकरलाल और रामेश्वर ही उसे अपने साथ बाइक पर ले गए थे। दूर ले जाकर शंकरलाल ओर रामेश्वर ने उसके गले में रस्सी डालकर मार दिया। रस्सी इतनी जोर से खींची कि उसका दम घुट गया और मौत हो गई।

पुलिस ने ये रस्सी भी बरामद कर ली। इसके बाद पास ही स्थित नारसीसर गांव से गुजर रही रेलवे लाइन पर उसका शव फैंक दिया। रेल गुजरी तो सहीराम का शव कई हिस्सों में कट गया। प्रथमदृष्टया सभी को आत्महत्या का मामला लगा लेकिन बाद में मदनलाल की एफआईआर पर पुलिस ने जांच की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। इंद्रा और शंकरलाल के बीच अवैध संबंध थे।

आमतौर पर सहीराम अकेला रहता था और इंद्रा श्रीडूंगरगढ़ में रहती थी। ऐसे में इंद्रा और शंकरलाल के बीच अवैध संबंध पनपते गए। दोनों ने बीच में से हटाने के लिए सहीराम को मार दिया गया।

## छात्रा की मौत

**निवाई,** (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र के गांव चैनपुरा रेलवे फाटक के पास बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर एक छात्रा ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना पर थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा मय जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रा के क्षत-विक्षत शव को कब्जे में लेकर उप जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया। थानाधिकारी ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 7:45 बजे चैनपुरा रेलवे फाटक के समीप बिलासपुर-भगत की कोठी जोधपुर जाने वाली ट्रेन के आगे कूदकर 17 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा के परिजन शाम करीब छह बजे से छात्रा की फोटो साथ में लेकर तलाश कर रहे थे। अचानक परिजन निवाई बस स्टैंड पर छात्रा को ढूंढते हुए पहुंचे। तब उन्हें घटना का पता चला।


**कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खंड द्वितीय, बीकानेर**
पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इंडस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानी बाजार, बीकानेर (334001)
फोन नं. 0151-2226475 ई-मेल : pheddriibkn@gmail.com
eediv2.bik.phed@rajasthan.gov.in Latitude28.0005250 longitude 73.3249120
क्रमांक : 1592-1609 दिनांक : 11.06.25

**Notice Inviting Bid :- 38 to 52 / 2025-26**

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 23.06.2025 at 16.00 hours. Hoter particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the Procurement of Rs. 246.01. lacs.

| | | | |
|---|---|---|---|
| NIT No. UBN No. | 38 PHG2526WSOB03450 | 39 PHG2526WSOB03451 | 40 PHG2526WSOB03452 |
| NIT No. UBN No. | 41 PHG2526WSOB03453 | 42 PHG2526WSOB03454 | 43 PHG2526WSOB03455 |
| NIT No. UBN No. | 44 PHG2526WSOB03456 | 45 PHG2526WSOB03457 | 46 PHG2526WSOB03458 |
| NIT No. UBN No. | 47 PHG2526WSOB03459 | 48 PHG2526WSOB03460 | 49 PHG2526WSOB03461 |
| NIT NO. UBN No. | 50 PHG2526WSOB03463 | 51 PHG2526WSOB03464 | 52 PHG2526WSOB03465 |

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर
DIPR/C/8058/2025

# विश्वकर्मा इलाके में प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग

## छह दमकलों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** विश्वकर्मा रोड नंबर 17 स्थित करणी विहार कॉलोनी में बनी प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में भीषण रूप धारण कर लिया। आग लगने की जानकारी मिलने पर लोगों ने दमकल और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर विश्वकर्मा से आधा दर्जन दमकल मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सके।

दमकलकर्मियों ने समय रहने आस-पास में रह रहे मकानों को भी खाली करवाया और वहां पर रखे सिलेंडर भी बाहर निकाले। फैक्ट्री में ही मजदूर का परिवार भी रहता था जिसके पास भी सिलेण्डर रखे थे। यह फैक्ट्री आवासीय इलाके में चल रही थी। नगर निगम प्रशासन की लापरवाही से आवासीय इलाकों में वाणिज्यक गतिविधियां चल रही है। जो कभी बडे हादसे का कारण बन सकती है। आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चे माल के साथ मशीनरी जल कर राख हो गई।

सहायक अग्निशमन अधिकारी भंवर सिंह हाड़ा ने बताया किफैक्ट्री में आग लगने की जानकारी मिली। जानकारी मिलने पर वीकेआई से एक के बार एक कर छह दमकल को मौके पर भेजी गई। यह फैक्ट्री आवासीय इलाके में चल रही थी। फैक्ट्री से लगते दो-तीन मकान और पीछे की तरफ एक केमिकल फैक्ट्री भी है। आग से आस-पास के मकानों को नुकसान नहीं पहुंचा है। फैक्ट्री के ऊपरी हिस्से में ही एक मजदूर का परिवार भी रहता था समय रहने परिवार बाहर आ गया था लेकिन सिलेण्डर उसके ऊपर ही रखे थे।

दमकलकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर सिलेण्डर को बाहर निकाल लिए। वरना बडा हादसा हो सकता था। यह फैक्ट्री में कपिल अग्रवाल चलाते हैं। जहां पर काले रंग के प्लास्टिक के पाइप बनते हैं। यह कंपनी शुभ महालक्ष्मी पोली पाइप के नाम से हैं।

आग की सूचना मिलने के बाद फैक्ट्री मालिक भी मौके पर पहुंच गया था। आग से कोई हताहत नहीं हंआ है। फैक्ट्री में करीब सात घरेलू सिलेंडर भरे हुए मिले। जिन्हें सावधानी से फैक्ट्री से बाहर निकाला गया। आग की प्राथमिक वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

विश्वकर्मा रोड नंबर 17 स्थित करणी विहार कॉलोनी में बनी प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक आग लगीं।

- बताया जा रहा है कि रिहायशी इलाके में संचालित थी यह फैक्ट्री, आग से दीवार और पट्टियां टूटी
- दमकलकर्मियों ने समय रहते फैक्ट्री से बाहर निकाले सात गैस सिलेंडर, अन्यथा ब्लास्ट हो सकता था

# राजस्थान यूनिवर्सिटी के सामने उपद्रव करने पर दो विधायकों सहित नौ को सजा

**जयपुर ।** अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-19, महानगर प्रथम ने छात्र जीवन में राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने बवाल करने और रास्ता जाम करने के आरोप में वर्तमान में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर और शाहपुरा विधायक मनीष यादव सहित कुल 9 आरोपियों को एक साल से अधिक की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर 3200 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अभियुक्तों को डेढ़ माह अतिरिक्त जेल में रहना पडेगा। अदालत ने सजा सुनाने के बाद सभी अभियुक्तों को अपील पेश करने के लिए समय देते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। पीठासीन अधिकारी परिक्षिता देथा ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार और जेएलएन मार्ग पर यातायात बाधित कर बवाल व लोकमार्ग में बाधा का अपराध कारित किया है। ऐसे में अभियुक्त मुकेश भाकर, द्रोण यादव, भानू प्रताप सिंह, अभिषेक चौधरी, राजेश मीणा, रवि किराड उर्फ रविकांत, वसीम खान, मनीष यादव और विद्याधर मील को आईपीसी की धारा 147 और 283 के तहत दोषसिद्ध किया जाता है।अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि 13 अगस्त, 2014 को एसआई ओमप्रकाश ने गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से बिना नंबर की जीप को पकड़ने की सूचना पर वह विश्वविद्यालय गया था। वहां छात्र नेता राजेश मीणा और द्रोण यादव सहित अन्य विश्वविद्यालय में ज्ञापन देने आए थे। करीब दो बजे आरोपियों के नेतृत्व में एनएसयूआई के करीब 200 छात्र विश्वविद्यालय के बाहर नारेबाजी कर सीसेट का विरोध कर रहे थे। इन्होंने अचानक दौडकर जेएलएन मार्ग जाम कर दिया। आरोपियों ने करीब 20 मिनट तक रोड जाम कर यातायात अवरुद्ध कर दिया। इसके बाद छात्रों को हटाकर रास्ता खुलवाया गया। रिपोर्ट पर जांच के बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्तों ने अपने आप को निर्दोष और मामला राजनीति से प्रेरित बताया। उनकी ओर कहा गया कि, घटना के दिन कानून व्यवस्था बरकरार रखी गयी थी। आरोपीगणों की ओर से यह भी कहा गया कि, पुलिस प्रशासन ने जानबूझकर उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया, जैसे कि आईपीसी 147, जो कि तोड़फोड़ और दंगा फसाद जैसे मामलों से संबंधित है। उनकी ओर से कहा गया कि, किसी भी सरकारी संपत्ति और व्यक्ति विशेष को हमारे द्वारा नुकसान नहीं पहुंचाया गया था, परंतु पुलिस ने ही मौके पर मौजूद लोगों के साथ लाठीचार्ज और बल प्रयोग किया था।

- अदालत द्वारा दोषी करार दिए गए इन नौ अभियुक्तों में से अधिकांश छात्रनेता थे
- उधर अभियुक्तगणों का कहना है कि, उनकी ओर से इस प्रकरण को लेकर जल्द ही राजस्थान उच्च न्यायालय में भी अपील दायर की जायेगी

# 'योग मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य की कुंजी'

**जयपुर।** केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली और स्वास्थ्य कल्याण इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेचुरोपैथी एवं योग साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में 11 वें योग दिवस के उपलक्ष में आयोजित 'योग समावेश' कार्यक्रम सीतापुरा केंपस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग एवं मेंटल हेल्थ विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रेसिडेंट डॉ. सर्वेश अग्रवाल रहे। मुख्य वक्ता के तौर पर आरएचएल डीएडीक्शन सेंटर के डायरेक्टर डॉ. राघव शाह रहे। कार्यक्रम में परिषद के डॉ. भावित बंसल, नोएडा के डॉ. राजेश कुमार सिंह, दोसा से डॉ. दिव्या चंदेल एवं जयपुर से डॉक्टर चारू शामिल हुए। साइंटिफिक सेशन में डॉ. सर्वेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में लोगों से योग को जीवन में उतारने का मंत्र दिया।

# 'कांग्रेसी नेता आंतरिक कलह को छिपाने के लिए कर रहे हैं अनर्गल बयानबाजी'

**जयपुर ।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में डिक्टेटरशिप की परंपरा है, जबकि भाजपा में लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन किया जाता है। राठौड़ ने कांग्रेस के नेताओं पर अनर्गल बयानबाजी करने का आरोप लगाया और कहा कि वे अपनी पार्टी की आंतरिक कलह को छिपाने के लिए भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। जबकि हकीकत प्रदेश की जनता लगातार उपचुनावों में दे रही है। भाजपा ने उपचुनावों में कांग्रेस का पटखनी दी, कांग्रेस केवल 4 उपचुनाव जीते, जबकि भाजपा 29 उपचुनाव जीत चुकी। इससे स्पष्ट हो गया कि कांग्रेसी नेताओं के चलते इनकी पार्टी धरातल पर जनाधार खो रही है।

मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आरपीएससी से संबंधित बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आरपीएससी एक ऑटोनॉमस बॉडी है, जिसमें भाजपा का कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है।

जबकि डोटासरा ने इस संवैधानिक संस्था में अपने परिवार के सदस्यों का चयन करवाया है, इससे वे स्वयं कठघरे में आ गए और चयनित भी समस्या में आ गए।

राठौड़ ने कहा, "हमने छात्रों की समस्याओं को आरपीएससी तक पहुँचाया, लेकिन हस्तक्षेप नहीं किया। आरपीएससी एक ऑटोनॉमस बॉडी है, जो अपने विवेक से निर्णय लेती है।" सुझाव देना अलग बात है और हस्तक्षेप करना अलग।

राठौड़ ने कहा कि "कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे अनर्गल और भ्रामक बयानों के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़

- डोटासरा ने अपने परिजनों का चयन करवाकर आरपीएससी में जमकर किया था राजनीतिक हस्तक्षेप : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

# शिव सरोवर में चलाया स्वच्छता अभियान

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश महामंत्री और खंडार विधानसभा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किए गए वंदे गंगा - जल संरक्षण अभियान के तहत बुधवार को चौथ का बरवाड़ा मंडल के शिव सरोवर में स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस दौरान गोठवाल ने 365 दिन 365 पौधारोपण संकल्प के तहत पौधारोपण भी किया।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने मोदी सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक अभियान के तहत चौथ का बरवाड़ा मण्डल में मण्डल संकल्प सभा भी आयोजित की। इसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को विकसित भारत 2047 का संकल्प दिलवाया। 'विकसित भारत संकल्प सभा' में मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताया गया।

- गोठवाल ने 365 दिन 365 पौधारोपण संकल्प के तहत पौधारोपण किया

# माटी कला कामगारों को मिलेगा तकनीकी संबंल

**जयपुर ।** माटी कला को आधुनिक स्वरूप देने और परंपरागत कारीगरों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट वर्ष-2025-26 में घोषणा के प्रभावी कियान्यवन के संबंध में बुधवार को श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि माटी कला बोर्ड को मुख्यमंत्री ने इस बार दोगुना बजट दिया है। उन्होंने इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। प्रहलाद टाक ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी के तहत प्रदेश के मिटटी कामगारों को आर्थिक रूप से सुदृढ करने के उदेश्य से 2000 विद्युत चालित चाक एवं 2000 मिट्टी गूंथने की मशीनें नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाएंगी। इसके लिए 14 हजार से ज्यादा ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से दो हजार पात्र लोगों का चयन कर उन्हें उचित प्रशिक्षण देकर चाक व मिटटी गूंथने की मशीन उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाएगा।

**राजसमंद से होगा जागरूकता शिविरों का आगाज:** उन्होंने बताया कि प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों व 41 जिलों से चयनित माटी कला कामगारों को नि:शुल्क मशीनें वितरित की जायेंगी। बोर्ड द्वारा पोर्टल तैयार कर ऑनलाइन आवदेन प्रकिया प्रारंभ कर बजट घोषणा की कियान्विति का आगाज किया जा चुका है। इसी के तहत पहला जागरूकता शिविर 21 जून-2025 को राजसमंद जिले में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में जिले की 4 विधानसभा क्षेत्रों से प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों में से लाभार्थियों का विधानसभा क्षेत्रानुसार प्राथमिकता व पात्रता/ लॉटरी के आधार चयन किया जायेगा। चयनित पात्र लाभार्थियों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाकर उनको माटी कला की विभिन्न विधाओं, कलाकृतियों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण उपरान्त पात्र लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक व मिट्टी गूंथने मशीन का सेट नि:शुल्क उपलब्ध करवाया जायेगा। इसी तरह राज्य के अन्य जिलों में भी जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

**माटी कामगारों के लिए माटी के लाल पुरस्कार:** प्रहलाद राय टाक ने बताया कि गर्वनिंग बोर्ड की बैठक में इस बार श्रीयादे माटी कला बोर्ड ने कई महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित किए हैं। इसके तहत माटी के बर्तन पकाने के हेतु धुआं रहित अथवा कम धुआं के बारे में भी माटी कामगारों को जागरूक किया जायेगा। माटी के बर्तन, खिलौनों आदि के उचित विपणन के लिए जागरूक किया जायेगा।

प्रहलाद राय टाक

- श्रीयादे माटी कला बोर्ड नि:शुल्क देगा मशीनें

# 'युवा पीढ़ी को तंबाकू से दूर रखने के लिए प्रयास जरूरी'

**जयपुर।** राज्य में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बुधवार को होटल गोल्डन ट्यूलिप एसेंशियल, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्थानीय निकाय, जयपुर तथा एसआरकेपीएस के संयुक्त तत्वावधान में तंबाकू विक्रेताओं के लिए लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि युवाओं को नशे की ओर ले जाने वाली पहली कड़ी-मीठी सुपारी और तंबाकू उत्पाद-से दूर रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है और इसके लिए हर स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

मंत्री खर्रा ने निर्देश दिए कि कार्यशाला की सभी अनुशंसाएं लिखित रूप में उनके कार्यालय को प्रेषित की जाएं, ताकि स्वायत्त शासन निदेशालय, विधि प्रकोष्ठ और शिक्षा विभाग से समन्वय कर समूचे राज्य के लिए एक सामान्य नियमावली तैयार की जा सके।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए स्थानीय निकाय, संभाग जयपुर के उपनिदेशक विनोद कुमार पुरोहित ने कहा कि तंबाकू विक्रेताओं के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने से कोटपा अधिनियम, 2003 के नियम 6 का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा, जिससे स्कूलों के आसपास बच्चों को तंबाकू उत्पादों की सहज उपलब्धता पर अंकुश लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के 10 से अधिक स्थानीय निकायों में इस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

वाइटल स्ट्रैटेजीज, नई दिल्ली से आए डॉ. राणा ने भारत के विभिन्न राज्यों में वेंडर लाइसेंसिंग नीति के क्रियान्वयन के अनुभवों को साझा किया। राजस्थान कैंसर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तंबाकू वेंडर लाइसेंसिंग की प्रभावी प्रणाली के माध्यम से राजस्थान में एक तंबाकू-मुक्त पीढ़ी की नींव रखी जा सकती है। कार्यशाला के प्रारंभ में एसआरकेपीएस के कार्यकारी निदेशक राजन चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

# 'संकल्प से सिद्धि तक ' कार्यक्रम

**जयपुर।** केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 सफल वर्षों के पूर्ण होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान द्वारा पूरे प्रदेश में संकल्प से सिद्धि तक अल्पसंख्यक चौपाल कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे दरगाहों, मदरसों, गुरुद्वारों और चर्चों के बाहर किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय तक सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा, यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के विजन को धरातल पर उतारने का प्रयास है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को योजनाओं की सीधी जानकारी देने के लिए हम हर जिले, हर नगर मे पहुँच रहे हैं।

- अल्पसंख्यक समुदाय में जनकल्याण योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करेगा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा

# देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी की यात्रा पर रवाना

**जयपुर।** राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के लिए रवाना हुए। देवनानी बुधवार को नई दिल्ली से वायुयान द्वारा पेरिस के लिए रवाना हुए। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावधान में आयोजित इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी दो देशों की संसदीय परम्पराओं का अध्ययन करेंगे। देवनानी ने कहा कि वैश्विक संसदीय संवाद के लिए यह अध्ययन यात्रा नई पहल है।

देवनानी को मंगलवार को प्रात: यहां उनके जयपुर स्थित राजकीय निवास पर विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा और विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर, माला पहनाकर और दुपट्टा ओढाकर संसदीय परम्पराओं की इस अध्ययन यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी के साथ विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये है।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह सात दिवसीय यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। देवनानी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के राष्ट्रीय संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श करेंगे। देवनानी इस अध्ययन यात्रा में डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं और सामाजिक समावेशन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे।

यात्रा के दौरान देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी में भारतीय मिशनों के प्रतिनिधियों, प्रवासी भारतीय संगठनों तथा भारतीय मूल के नवाचारकर्ताओं से संवाद करेंगे। वे राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहर और जनकल्याणकारी योजनाओं के मॉडल को विश्व पटल पर प्रस्तुत करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष फ्रांस और जर्मनी की अपनी सात दिवसीय विदेश यात्रा पूरी कर 24 जून को स्वदेश लौटेंगे।

- राज्य लोकतांत्रिक परंपराओं के मॉडल को विधान सभा अध्यक्ष देवनानी विश्व पटेल पर प्रस्तुत करेंगे

# 'बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने को गति मिलेगी'

**जयपुर ।** बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में राजस्थान को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (आरईआरसी) ने 1000 मेगावाट-ऑवर स्टैंडअलोन बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की स्थापना के लिए बोलीदाता ऊर्जा कंपनियों द्वारा दी गई टैरिफ को मंजूरी प्रदान की है। राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा इस परियोजना को बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओओ) मॉडल के तहत वायबिलिटी गेप फंडिंग (वीजीएफ) सहायता के साथ लागू किया जाएगा।

ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि अपनाई गई प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया में सोलर वर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (250 मेगावाट ऑवर), ओरियाना पावर लिमिटेड (100 मेगावाट ऑवर), रेज पावर एक्सपर्ट्स प्रा. लि. (150 मेगावाट ऑवर) और जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी (500 मेगावाट ऑवर) आदि अग्रणी ऊर्जा कंपनियों ने भाग लिया था। निविदा के तहत प्राप्त टैरिफ दर 2.21 लाख से 2.24 लाख प्रति मेगावाट प्रति माह के बीच रही, जो कि देश में सबसे कम है। आयोग ने राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की इस निविदा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और बाजार अनुरूप मानते हुए अनुमोदन प्रदान किया है। उन्होंने बताया यह प्रक्रिया भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा बैटरी स्टोरेज के लिए जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण के साथ ग्रिड स्थिरता को मजबूत करना है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए कृत संकल्पित है। आरईआरसी की मंजूरी से राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकतानुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रति मेगावाट-ऑवर 27 लाख की दर से वीजीएफ सहायता प्रदान की जा रही है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) परियोजनाएं चयनित स्थलों पर स्थापित की जाएंगी, जिनमें प्रसारण निगम के जयपुर और कोटा स्थित ग्रिड सब स्टेशन तथा उत्पादन निगम के सूरतगढ़ और गिरल स्थित विद्युत गृह शामिल हैं। इन स्थलों का चयन तकनीकी, परिचालन और ग्रिड अनुकूलन मानकों के आधार पर किया गया है यह ऊर्जा भंडारण प्रणाली राज्य की वितरण कंपनियों को महंगी पीक आवर्स की बिजली खरीद से मुक्ति दिलाएगी, जिससे प्रतिदिन लगभग 1 करोड तक की संभावित बचत हो सकती है।

राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों से केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय ने हाल ही में इसके अतिरिक्त राजस्थान को 4 हजार मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली क्षमता का आवंटन किया है।

देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में राजस्थान देश में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2028-29 तक प्रदेश में 18.5 गीगावाट ऑवर की बैटरी एनर्जी स्टोरेज क्षमता विकसित करने की योजना बनाई गई है। उत्पादन निगम द्वारा 1 हजार मेगावाट बैटरी स्टोरेज प्रणाली के अतिरिक्त एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के माध्यम से भी 1 हजार मेगावाट ऑवर्स बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना की स्थापना के लिए अलग से निविदाएं जारी की गई हैं। इस प्रकार 2 हजार मेगावाट बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए की गई बजट घोषणा को मूर्त रूप देते हुए राजस्थान में लगभग 2 हजार करोड़ का निवेश होगा।

- आरईआरसी ने 1000 मेगावाट-ऑवर बीईएसएस परियोजना की टैरिफ को मंजूरी दी
- "मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों से केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय ने हाल ही में राजस्थान को 4 हजार मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली क्षमता का आवंटन भी किया है।"

# ग्रेटर महापौर ने की उद्यमियों के साथ बैठक

**जयपुर ।** 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत योग के पूर्वाभ्यास कार्यक्रमों के तहत 20 जून 2025 को प्रात: 8 बजे से हवामहल के सामने व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों, महिला उद्यिमयों, दुकानदारों द्वारा योगाभ्यास किया जायेगा। इस संबंध में नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को व्यापार मण्डल पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया, महामंत्री सुरेश सैनी, सेन्ट्रल स्पाइन व्यापार परिषद विद्याधर नगर अध्यक्ष अजय अग्रवाल, लालकोठी व्यापार मण्डल, चौड़ा रास्ता व्यापार मण्डल, घी वालों का रास्ता व्यापार मण्डल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

महापौर ने बताया कि 20 जून 2025 को प्रात: 8 बजे हवामहल के सामने योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा। इस योगाभ्यास कार्यक्रम में पहले योग फिर उद्योग की थीम पर विभिन्न व्यापार मण्डलों के पदाधिकारी, दुकानदार योगाभ्यास करेंगे। बुधवार को हुई बैठक में महापौर ने सभी पदाधिकारियों को ताड़ासन करवाया साथ ही योग से होने वाले फायदों के बारे में भी जानकारी दी।

# तीन करोड़ की ठगी का मास्टरमाइंड चंद्रमोहन जयपुर से गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** साइबर ठगी के मामले में बारां साइबर पुलिस ने ऑनलाइन ट्रक बेचने के बहाने देशभर में 3 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले मास्टरमाइंड चंद्रमोहन वैष्णव पुत्र बाबूलाल (40) निवासी गणेशपुरा थाना केलवाड़ा जयपुर के सिरसी रोड स्थित हाथोज क्षेत्र से धर दबोचा है। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम था। आरोपी पिछले तीन साल से पुलिस की गिरफ्त से दूर था।

बारां एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि यह मामला 17 मई 2023 को तब सामने आया जब मंदसौर मध्य प्रदेश निवासी पिंटू राठौर ने शिकायत दर्ज कराई। राठौर के अनुसार वैष्णव इन्फ्राटेक और बिड्स बाजार नामक फर्जी कंपनियों के माध्यम से चंद्रमोहन वैष्णव और उसके साथियों ने उन्हें फेसबुक पर ट्रक का लालच देकर टोकन राशि और कागजी कार्रवाई के नाम पर 4 लाख रुपए ठग लिए थे। शिकायत में इस गिरोह द्वारा बैंक की डिफाल्टर गाड़ियां बेचने के नाम पर राजस्थान सहित अन्य राज्यों के लोगों के साथ व्यापक साइबर धोखाधड़ी का खुलासा हुआ।

मामला दर्ज होने के बाद से चंद्रमोहन वैष्णव लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। उसकी कंपनियां जैसे बिड्सबाजार डॉट कॉम, टर्बो24 डॉट कॉम, क्विकहोट टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड और वैष्णव एशोशियेट्स देश भर में सेकंड हैंड कमर्शियल वाहन बेचने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये ऐंठ रही थीं। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी बारां द्वारा 25,000 रुपये का इनाम भी घोषित किया था। इस गिरोह के तीन अन्य सदस्य अनिल वैष्णव, जगदीश बैरागी और प्रेमनारायण वैष्णव को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका थापुलिस ने बताया कि चंद्रमोहन और उसका गिरोह बैंक यार्ड से अधिग्रहित वाहनों की तस्वीरें लेकर उन्हें अपनी फर्जी कंपनियों के फेसबुक पेज पर कम कीमत में बेचने का विज्ञापन डालते थे। जब कोई ग्राहक कम कीमत के लालच में संपर्क करता, तो वे उसे गाडी दिखाने और डील करने के नाम पर टोकन राशि यूपीआई के माध्यम से वसूल लेते थे। रजिस्ट्रेशन के नाम पर वाहन की 75 प्रतिशत कीमत ऑनलाइन बैंक खातों में जमा करवा ली जाती थी। राशि मिलने के बाद अपराधी ग्राहक का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर देते थे।

पुलिस का कहना है कि चंद्रमोहन वैष्णव और उसके साथियों के खिलाफ राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में 20 से अधिक धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। साइबर क्राइम शिकायत पोर्टल पर भी उनके खिलाफ 100 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। यह गिरोह वर्ष 2011 से ही सक्रिय था। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर चंद्रमोहन वैष्णव को जयपुर से हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

- 25 हजार रु. का इनामी यह बदमाश पिछले 3 साल से फरार था
- ऑनलाइन ट्रक बेचने का झांसा देकर कई राज्यों में ठगी की वारदातें की

# जालोर में बारिश होने से मौसम सुहावना हुआ, किसानों के चेहरे खिले

## जालोर सहित सांचौर, भीनमाल, रानीवाडा और सायला क्षेत्र में बारिश हुई

**जालोर,** (कासं)। जालोर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में हुई हल्की से मध्यम बारिश ने जहां तापमान में गिरावट ला दी, वहीं किसानों के चेहरे खिल उठे। जिलेभर में कई दिनों से क्षेत्र में तेज गर्मी और उमस से लोग बेहाल थे। बारिश ने लोगों को बड़ी राहत दी है। बुधवार सवेरे से ही आसमान में बादल छाए रहे और कुछ ही देर में रिमझिम फुहारों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। खेतों की तैयारी में जुटे किसानों ने इस बारिश को आगामी खरीफ फसल के लिए शुभ संकेत माना है। कई जगहों पर बच्चों और युवाओं ने बारिश में झूमकर आनंद भी लिया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में क्षेत्र में और बारिश की संभावना है, जिससे खेतों की सिंचाई के लिए जल स्त्रोतों में भी सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

जालोर जिले के सायला में बारिश होने से सड़कों पर पानी बहने लगा।

जानकारी के अनुसार जालोर जिले में मौसम ने करवट ली और कई स्थानों पर बारिश की शुरुआत हुई। जिले के प्रमुख कस्बों सांचौर, भीनमाल, रानीवाडा और सायला में भी अच्छी बारिश के संकेत मिले हैं। इन इलाकों में बादलों की गडगडाहट के साथ रुक-रुक कर फुहारें गिरती रहीं, जिससें मौसम सुहावना हो गया। किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला, क्योंकि यह बारिश खरीफ की बुवाई के लिए अनुकूल मानी जा रही है। ग्रामीण अंचलों में खेतों में हल चलने और बीज डालने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले 24 से 48 घंटों में जिले के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है।

सायला शहर में बुधवार दोपहर को हुई बारिश लोगो के लिए राहत के साथ आफत लेकर आई और केवल 15 मिनट की बारिश में ही शहर की सफाई व्यवस्थाएं धराशायी हो गई। बारिश से मुख्य सड़क पर जगह जगह जलभराव हो गया तथा नालियों के ओवरफ्लो होने से गन्दा पानी सड़कों पर बहने लगा। पुराना बस स्टेण्ड, पंचायत समिति मोड़, ब्रह्मपुरी एवं दहियावटी छात्रावास मार्ग पर पानी जमा होने से राहगीरों एवं दुपहिया वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं बारिश बन्द होने के करीब दो घंटे बाद पुराना बस स्टैण्ड पर जमा पानी की निकासी हुई लेकिन निकासी के बाद सड़क पर कीचड़ फैल गया। जिससे दुकानदारों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। इधर बारिश के बाद मौसम सुहाना होने से उमस की मार झेल रहे शहरवासियों ने राहत की सांस ली।

# दुष्कर्म करने के आरोपी को दस साल की कैद

**भीलवाड़ा,** (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट संख्या एक ने नाबालिग को अगवा कर जंगल में ले जाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को 10 साल की कैद और 59 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह ने बताया कि, 19 अप्रैल 2024 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि 17 अप्रैल को उसकी भतीजी रात नौ बजे सिरदर्द की टैबलेट लेने गांव के बाहर दुकान पर गई थी। इस दौरान आरोपित सुखदेव बैरवा बाइक लेकर आया और नाबालिग को जबरन बाइक पर बैठाकर जंगल की ओर ले गया, जहां आरोपित ने नाबालिग के साथ जबरन बलात्कार किया। आरोपित ने बलात्कार के बाद पीड़िता को पुन: दुकान के पास छोड़ा और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता ने अगले दिन परिजनों को आपबीती बताई। इसे लेकर परिजनों ने सुखदेव को उलाहना दिया तो वह मारपीट करने पर उतारु हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित सुखदेव को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ अदालत में चार्जशीट पेश की। ट्रायल के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक कानावत ने अदालत में 27 गवाहों के बयान दर्ज करवाते हुये 18 गवाह पेश कर सुखदेव पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। सुनवाई पूरी होने पर अदालत ने आरोपित सुखदेव को 10 साल के सश्रम कारावास और 59 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

दुष्कर्म का आरोपी।

- 59 हजार रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया

# सीकर परीक्षा देने गई युवती की संदिग्ध अवस्था में मौत

मांगों को लेकर ग्रामीणों ने अस्पताल के सामने धरना दिया।

**खेतड़ी,** (निसं)। खेतड़ी उपखंड के सेफरागुवार गांव में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवती सीकर में परीक्षा देने के लिए गई थी, उसे निजी एंबुलेंस से घर छोड़ गए। घटना के बाद सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल के सामने धरना प्रदर्शन कर घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। परिजनों ने युवती की हत्या करने का आरोप लगाया है।

ग्रामीण शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि युवती सोमवार को रेलवे की परीक्षा देने के लिए सीकर गई थी। इस दौरान बाइक की टक्कर लगने की बात कहकर निजी अस्पताल में उपचार करवाया गया। इसके बाद एक युवक मंगलवार की रात करीब 8 बजे उसे एक निजी एंबुलेंस द्वारा घर छोड़ा गया। परिजनों ने बताया कि घर आने पर युवती की स्थिति बेहद नाजुक थी तथा घर लौटने के एक घंटे बाद ही युवती की मौत हो गई। इसके बाद परिवारजन उसे खेतड़ी के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल युवती का शव खेतड़ी अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है।

- ग्रामीणों ने खेतड़ी के उप जिला अस्पताल के सामने धरना दिया

मामले को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने अस्पताल के बाहर धरना देकर निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों ने कहा कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता और उन्हें न्याय नहीं मिलता, तब तक वे शव को नहीं लेंगे। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि घटना की न्यायिक जांच हो और दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई सामान्य मौत नहीं है, युवती के साथ कोई गंभीर घटना हुई है, जिसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

# हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, दो नाबालिग निरूद्ध

**ब्यावर,** (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी वृत जैतारण के निकट सुपरविजन में जिला साइबर सेल व थानाधिकारी पुलिस थाना सेंदडा मय टीम द्वारा चरखीजाल रेलडा के जंगल में हुए ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए एक आरोपी हेगुरेल गजबगढ़ का बाड़ीया रातडिया पुलिस थाना सेंदडा निवासी अशोक सिंह पुत्र चतर सिंह रावत को गिरफ्तार करते हुए दो नाबालिग को निरूद्ध किया है।

- चरखीजाल रेलडा के जंगल में मृतक का शव मिला था
- बताया जा रहा है कि प्रेमप्रसंग हत्या का मुख्य कारण बना था

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार 13 जून को सूचना मिली कि चरखीजाल रेलडा के जंगल में एक शव पड़ा हुआ है। जिस पर थानाधिकारी पुलिस थाना सेन्दडा मय जाप्ता के घटनास्थल पहुंचे जहां पर एक जवान उम्र के लड़के की डेड बोडी पड़ी मिली। जिस पर प्रार्थी लक्ष्मण सिंह पुत्र मोहनसिंह निवासी रातडिया ने घटनास्थल पर एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि मेरा पुत्र विकास सिंह हमेशा की तरह रेलडा से अपने घर आ रहा था जब अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे मार दिया है। घटना की गंम्भीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज किया जाकर थाना स्तर पर मय जिला साइबर सेल के एक विशेष टीम का गठन किया जाकर कार्य प्रारम्भकिया गया।

पुलिस टीम द्वारा घटना के संबंध में साक्ष्य एकत्रित कर एक संदिग्ध को दस्तायब कर पूछताछ करने पर आरोपी अशोक सिंह ने बताया कि विकास सिंह मेरे परिवार में लड़की को फोन और मैसेज कर रहा था जिसको मना करने के बाद भी नहीं माना। 11 जून को मैं व मेरे दो दोस्त चरखीजाल रेलडा के जंगल में बैठे तो उसी समय विकास सिंह रास्ते से अपने घर जा रहा था। जिसको रोक कर हमने उसके साथ मारपीट की तो विकास सिंह के सिर में लग जाने से वो नीचे गिर गया जिससे उसके सिर में गहरी चोट लगने से उसकी मौत हो गई। मैं व मेरे दोस्त वहां से भाग गये। आरोपी द्वारा हत्या करना स्वीकार करने पर गिरफ्तार किया जाकर दो नाबालिग को निरूद्ध कर लिया गया।

# नकबजनी के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

**उदयपुर,** (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने नकबजनी के मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया।

- पुलिस ने चोरी का माल बरामद किया

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि 17 जून को पीड़ित जीवाराम पुत्र लालाराम मेघवाल निवासी सायरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 15 जून को रात में परिवार सहित घर पर सो रहा था एवं मेघवाल बस्ती में स्थित मकान में बाइक खड़ी की थी। जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गए। इसी प्रकार पीड़ित प्रकाश जैन पुत्र तुलसीराम जैन निवासी सायरा ने बाइक चोरी की तथा तथा परमेश पुत्र राजु डामोर निवासी राघेला पाड़ा कलिंजरा बासवाड़ा हॉल पीएचसी सायरा ने भी मकान में घुसकर अज्ञात चोर मोबाइल व जेब से 2 हजार रूपये नकदी, आधार कार्ड चोरी कर ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सायरा थानाकिारी किशोर सिंह शक्तावत के नेतृत्व में गठित दल ने मामले में कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार, लोकेन्द्र सिंह, नरपतराम व हस्तिराम की सूचना पर पुलिस दल ने अनुसंधान करते हुए आरोपी सुरेश कुमार पत्रु मालाराम गरासिया निवासी काकराड़ी नाणा पाली, रूपाराम पुत्र मोतीराम निवासी ठंडी बेरी पिण्डवाड़ा पाली, रोशनलाल पत्रु देवाराम निवासी ठंडीबेरी पिण्डवाड़ा पाली, अम्बाराम उर्पु सुरेश पुत्र मुगलाराम गरासिया निवासी ज्वारवाला सायरा तथा सुमेराराम पुत्र भेराराम निवासी उपलागढ आबूरोड़ सिरोही को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया गया पूरा माल बरामद किया।

# अहमदाबाद हादसा : बीकानेर के अभिनव का शव मिला

## मणिनगर में अंतिम संस्कार किया, डीएनए सैंपल से पुष्टि हुई थी

**बीकानेर,** (निसं)। अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले बीकानेर के अभिनव परिहार का शव मंगलवार को मिल गया। अहमदाबाद में ही परिवारजनों ने धार्मिक प्रक्रिया पूरी करके अंतिम संस्कार किया। इस दौरान अभिनव की पत्नी और मां का रो-रोकर बुरा हाल था, वहीं अन्य परिजनों की आंखें भी नम थी। अंतिम संस्कार में अहमदाबाद सांसद और मणिनगर के विधायक भी शामिल हुए। जानकारी के अनुसार, परिजनों की ओर से दिए गए ब्लड सैंपल के आधार पर डीएनए टेस्ट किया गया। सैंपल एक शव से मैच होने के बाद शव की पुष्टि की गई, जिसे परिजनों को सौंप दिया गया।

डीएनए टेस्ट के आधार पर मिले इस शव को एक ताबूत में रखा गया। उसे घर पहुंचाने के बाद सामान्य धार्मिक रीति रिवाज करके सीधे अंतिम यात्रा निकाली गई। सफेद रंग का ताबूत जैसे ही मणिनगर स्थित अभिनव के घर पर पहुंचा, घर वालों के मुंह से चित्कार निकल गई। महिलाओं की आंखों से आंसू रुक ही नहीं रहे थे। इस बीच जिस एम्बुलेंस में शव अस्पताल से घर लाया गया था, उसी एम्बुलेंस से शव को श्मशान घाट पहुंचाया गया और अंतिम संस्कार किया गया। अभिनव के बेटे विहान ने शव को मुखाग्नि दी। इस दौरान अहमदाबाद के सांसद दिनेश भाई मकवाना और मणिनगर विधायक अमूल भट्ट भी शामिल हुए। वहीं बीकानेर और श्रीडूंगरगढ़ से पहुंचे अभिनव के परिजन भी उपस्थित रहे। पूर्व विधायक दिवंगत किशनाराम नाई के दोहित अभिनव के अंतिम संस्कार में ननिहाल से मामा, भाई, बहन सभी पहुंचे। वहीं बीकानेर के हेड पोस्ट ऑफिस के पास रहने वाले अभिनव के परिवार के सदस्य भी अहमदाबाद में रहे।

- अभिनव के बेटे विहान ने शव को मुखाग्नि दी

# ए.डी.ए. की ई.सी. बैठक में 12 प्रस्तावों को मंजूरी मिली

## नए कार्यालय भवन के लिए 25.98 करोड़ का संशोधित प्रस्ताव पारित

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर विकास प्राधिकरण (ए.डी.ए.) की ईसी की बैठक बुधवार को आयोजित की गई, जिसमें महत्वपूर्ण विकास कार्यों से संबंधित 12 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मीडिया प्रभारी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए, जो अजमेर के विकास को नई दिशा देंगे।

**नए कार्यालय भवन के लिए संशोधित प्रस्ताव** -एडीए के नए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 25.98 करोड़ रुपये के संशोधित प्रस्ताव को पारित किया गया। यह नया भवन एडीए के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने और बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा।

पुष्कर में रिसॉर्ट हाउसिंग-पुष्कर के कानस में बनने वाली रिसॉर्ट हाउसिंग की रिज़र्व प्राइस 11,300 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय की गई है। यह निर्णय पुष्कर में पर्यटन को बढ़ावा देने और आवास सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

**चचियावास आवासीय योजना**-एडीए की चचियावास में प्रस्तावित नई आवासीय योजना में पानी की पाइपलाइन बिछाने के लिए 835 लाख रूपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इस योजना से क्षेत्र में आवास की उपलब्धता बढ़े गी और निवासियों को बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी।

**लेंड फॉर लेंड प्रकरण**-अजमेर उपायुक्त द्वारा प्रस्तुत किए गए लेंड फॉर लेंड के 6 प्रकरणों में से 3 का निस्तारण किया गया। शेष 3 मामलों के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है, जो विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इससे संबंधित मामलों का जल्द समाधान हो सकेगा। यह बैठक अजमेर के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। नए कार्यालय भवन, रिसॉर्ट हाउसिंग और आवासीय योजना जैसे प्रस्तावों को मंजूरी मिलने से शहर में बुनियादी ढांचे का विकास होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, लेंड फॉर लेंड के प्रकरणों का निस्तारण होने से भूमि संबंधी विवादों का समाधान होगा और विकास कार्यों में तेजी आएगी।

अजमेर विकास प्राधिकरण (ए.डी.ए.) की बैठक में आयुक्त नित्या के., सचिव अनिल कुमार पूनिया, उपायुक्त सूर्यकान्त शर्मा, प्रवीण गुगरवाल सहित एडीए के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# जानलेवा हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

**बीकानेर,** (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ में पिछले साल अगस्त महीने में हुए एक झगड़े के मामले में पुलिस ने तीन सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जांच प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही नौसरिया गांव के तीन भाइयों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी हो रही है।

- तीन भाइयों ने एक राय होकर मारपीट की थी

श्रीडूंगरगढ़ पुलिस ने क्षेत्र के नौसरिया गांव के निवासी राजेन्द्र मेघवाल, उसके भाई सुरेश कुमार व कमल देव को गिरफ्तार किया है। इन तीनों पर एक साथ मिलकर जानलेवा हमला करने का आरोप है। पिछले करीब दस महीने से मामले की जांच चल रही थी। अब पुलिस ने तीनों को उनके घर से ही गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 6 अगस्त 2024 को आरोपियों पर आरोप लगा था कि उन्होंने एक राय होकर बीदासर गांव के निवासी मेघराज पुत्र उदाराम के साथ मारपीट की। इस दौरान मेघराज से रुपए छीन लिए थे। इस प्रकरण में पूर्व में एक आरोपी कालूराम की गिरफ्तारी हो चुकी थी एवं फरार चल रहे इन तीनों आरोपियों को एसआई मोहनलाल मीणा ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। तीनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पहले भी कई जगह दबिश दी थी। इस मामले की जांच जारी है एवं तीनों आरोपियों को न्यायलय में पेश किया जाएगा।

# हादसे में श्रमिक की मौत

**उदयपुर,** (निसं)। डबोक थाना क्षेत्र में स्थित माईंस पर काम करते समय हुए हादसे में श्रमिक की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार रात में डबोक थाना क्षेत्र दरोली स्थित लाईम स्टोन माईंस में क्रशर पर काम करते समय प्रहलाद बीघा थाना नबीनगर ओरंगाबाद बिहार हाल सिमेन्ट फैक्ट्री क्वारी माईंस निवासी आनंद कुमार (27) पुत्र राधेश्याम पासवान की मौत हो गई। रात में काम करते समय सिर पर पत्थर लगने पर साथी श्रमिक उसे घायल अवस्था में चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर एएसआई मुकेश खटीक ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

# अल्पसंख्यक छात्रावास की वार्डन से परेशान छात्राओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

**अलवर,** (निसं)। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति एडवा की जिला सचिव अनीता एवं जिला उपाध्यक्ष रईसा के नेतृत्व में सूर्य नगर स्थित अल्पसंख्यक छात्रावास की छात्राओं ने वार्डन से परेशान होकर मजबूरी में एक बार फिर जिला कलक्ट्रेट के सामने आक्रोश प्रदर्शन किया।

- घंटों इंतजार करती रही भूखी-प्यासी छात्राओं से महिला जिला कलक्टर नहीं मिली तो छात्राएं निराश हुई
- छात्राओं ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर से मिलकर वार्डन मंजू वर्मा को हटाने की मांग की
- जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने जिला अल्पसंख्यक अधिकारी ने छात्राओं को धमकाया

एडवोकेट शब्बीर खान, गुलाब साबिर एवं एडवोकेट मनीष साहू का सहयोग रहा। घंटों इंतजार करती रही बड़ी संख्या में भूखी प्यासी छात्राओं से महिला होते हुए भी जिला कलेक्टर नहीं मिली तो छात्राएं बहुत निराश हुई। जिला कलेक्टर ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर से मिलने के लिए कहा। इसके बाद अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर छात्राओं ने अपनी पीड़ा बताई। ज्ञापन में वार्डन को तुरंत हटाने एवं अन्य कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इसी दौरान जिला अल्पसंख्यक अधिकारी पहुंची जिसने छात्राओं को धमकाया। एडवा ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। जिला कलक्टर से ऐसे जिला अल्पसंख्यक अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि छात्राएं वार्डन के आचरण से बहुत परेशान हैं। वार्डन पानी बंद कर देती है। खाना बहुत घटिया क्वालिटी का देती है। अंजान पुरुष छात्रावास के अंदर तक आते हैं। वार्डन के निवास में रहते हैं। इससे छात्राओं की प्राइवेसी भंग होती है। वार्डन से इस बारे में कई बार निवेदन भी किया है लेकिन वार्डन कहती है कि मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। तुम्हें कोर्ट कचहरी या जिस भी अधिकारी कलेक्टर के पास जाना है जाओ, तुम्हें जो करना है वह करो। वार्डन मंजू वर्मा के साथ रसोईया मंजू मीणा, सिक्योरिटी गार्ड राम प्रकाश एवं छोटे खान सब मिले हुए हैं। वार्डन, रसोईया मंजू मीणा, गार्ड रामप्रकाश को तुरंत प्रभाव से हटाया जाए। छात्राओं की मांग है कि इन्हें भी फिल्टर के साफ पानी की व्यवस्था की जाए। बाहरी व्यक्ति छोटे खान जैसे अनजान पुरुष को छात्रावास में आने पर सख्त पाबंदी लगाई जाए। खाने की गुणवत्ता में सुधार किया जाए जिससे छात्राएं बीमार नहीं हो। फालतू की बकवास करने वाले छात्राओं को धमकाने वाले गार्डन रामप्रकाश के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वार्डन की चालाकी यह है कि कुछ छात्राओं को डरा धमका कर, लालच देकर अपने पक्ष में रखती है ताकि कोई अधिकारी आए तो उनके सामने वार्डन की तारीफ में बयान दिलवा दिया जाए। पूर्व में 16 मई को भी छात्राएं अतिरिक्त जिला कलेक्टर से मिली थी। 5-6 दिन तो सुविधा थोड़ी ठीक की लेकिन उसके बाद फिर से बुरा हाल है। वार्डन छात्राओं को ताना देती है कि तुम तो गई थी कलक्टर के पास। मेरे खिलाफ शिकायत करने, मेरा क्या बिगाड़ लिया!

ज्ञापन देने वाली अनिशा, सायरा, जायदा, मनीषा, अफसाना, सानिया, सुमैया, सपना, इमराना, अस्तुरन, फौजिया, मानसी, मुस्कान, मंसार, शकीला, अमीषा, अंजू, आबिदा सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल रही।

# धोखाधड़ी का मामाला दर्ज

**उदयपुर,** (निसं)। मकान गिरवी रखकर नकदी वसूल करने के बाद बैंक द्वारा मकान सीज कर पीड़िता को बेदखल करने पर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता कृष्णा परमार पत्नी शिवकुमार परमार निवासी ज्योतिनगर हिरणमगरी सेक्टर 4 ने आरोपी मनीष सुहालका पुत्र हिम्मतलाल निवासी सविना के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने डेढ वर्ष पूर्व अपना मकान मुझे तीन वर्ष के लिए 8 लाख रूपये में गिरवी रखने की बात कही तथा सहमति बनने पर नकदी देकर एग्रीमेंट कर मैने रहना शुरू कर दिया। दो माह पूर्व वास्तु फाईनेंन्स बैंक ने उक्त मकान पर अपना हक बताते हुए मुझे बेदखल कर सीज कर दिया। इसको लेकर एतराज करने पर आरोपी ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

# जहरीला स्प्रे पीने से युवक की मौत

**बीकानेर,** (निसं)। यहां के छत्तरगढ़ के वार्ड नं. 6 में एक युवक ने जहरीला स्प्रे पीकर अपनी जान दे दी। मरने से पहले उसने वीडियो बनाया जिसमें तीन लोगों के नाम लेकर उन्हें आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है जिसकी जांच सीओ खाजूवाला करेंगे।

- मरने से पहले युवक ने वीडियो बनाया जिसमें तीन लोगों के नाम लेकर उन्हें आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया

छत्तरगढ़ के वार्ड नं 6 में रहने वाले गुरमीतसिंह मजबीसिख ने जहरीला स्प्रे पी लिया। उसे पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के मोबाइल से वीडियो मिला है जिसमें उसने आरोप लगाया है कि टेकचंद जाखड़, विनोद ज्याणी और मदनसिंह ने तंग-परेशान किया जिसके कारण वह जहरीला स्प्रे पी रहा है। उसकी तबीयत खराब होने और उल्टियां करने का दूसरा वीडियो भी बनाया है। गुरमीत के बड़े भाई बूटासिंह मजबीसिख ने छत्तरगढ़ थाना पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में वीडियो में बताए गए नाम के लोगों पर गुरमीत को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। एसएचओ भजनलाल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया है जिसकी जांच सीओ खाजूवाला अमरजीत चावला करेंगे।

उम्मीद है कि शुरुआती दिन पिच तेज गेंदबाजों की मदद करेगी लेकिन अपेक्षित गर्मी के कारण सपाट हो जाएगी। पिच ना केवल अनुभवहीन भारतीय बल्लेबाजी क्रम को भी मुकाबले में बने रहने का ज्यादा मौका देगी। - **शुभमन गिल**

**भारतीय कप्तान, इंग्लैंड दौरे में बल्लेबाजी को लेकर बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**



## कंगना रनौत

**पैरालंपिक** कमेटी ऑफ इंडिया ने प्रसिद्ध अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ कंगना रनौत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। उन्होंने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई। सार्वजनिक जीवन में एक शक्तिशाली आवाज रनौत का जुड़ाव देश में पैरा-एथलेटिक्स के लिए अपार ऊर्जा, दृश्यता और नए सिरे से फोकस लाता है। देवेंद्र झाझरिया ने कहा, भारत के खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें नयी दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक आदर्श दूत बनाती है।

**क्या आप जानते हैं ?...** भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 136 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान टीम इंडिया में सिर्फ 35 मैच ही जीते हैं। 51 में टीम को हार झेलनी पड़ी है और 50 मैच ड्रॉ रहे हैं।

## आईसीसी ने टी-20 और वनडे के बदले नियम

## वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 2 जुलाई से और टी-20 क्रिकेट में 10 जुलाई से ये बदलाव

नई दिल्ली, 18 जून। अगले महीने से वनडे और टी20 में खेल के नियमों में बदलाव देखने को मिलेगा। जहां वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 2 जुलाई से और टी20 क्रिकेट में 10 जुलाई से ये बदलाव होने वाला है। आईसीसी खेल के नियमों में बदलाव करके बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। टेस्ट क्रिकेट में नए नियम आज मंगलवार, 17 जून से शुरू हुई बांग्लादेश-श्रीलंका सीरीज से लागू हो गए हैं। वहीं वनडे में 2 जूलाई बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच अगली इंटरनेशनल सीरीज शुरू हो रही है और टी20 सीरीज भी इन दोनों देशों के बीच ही 10 जुलाई से होगी तब से ही नए नियमों को शामिल किया गया है।

आईसीसी ने ये बदलाव मेन्स क्रिकेट के लिए ही किया है। वनडे मैच की एक ही पारी में पहले ओवर से 50वें ओवर तक दो गेंदों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन अब 2 जुलाई से ऐसा नहीं होगा। अब मैच में 34वें ओवर के बाद केवल एक ही गेंद रह जाएगी, जिसका चुनाव गेंदबाजी टीम अपने मुताबिक कर सकती है। वहीं अगर खेल किसी वजह से 50 की जगह 25 ओवर का रह जाता है तो खेल की शुरुआत में ही एक पारी के केवल एक गेंद ही दी जाएगी। आईसीसी के नए नियमों के मुताबिक, खेल शुरू होने से पहले ही टीम को अपने सब्स्टिट्यूट प्लेयर्स के बारे में जानकारी देनी होगी। अगर किसी टीम का कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो उसकी जगह वही सब्स्टिट्यूट प्लेयर आएगा। जिसका नाम अंपायर के पास पहलेसे गया होगा। खेल की दोनों टीमें पांच पोजिशन के लिए पांच प्लेयर बता सकती हैं।

**एक विकेटकीपर, एक बल्लेबाज, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिन गेंदबाज, एक ऑलराउंडर** इस नए नियम के मुताबिक, अगर टीम में कोई तेज गेंदबाज चोटिल होनकर खेल के बाहर जाता है तो उसकी जगह दूसरा तेज गेंदबाज ही मैच में आएगा। उस खिलाड़ी की जगह किसी ऑलराउंडर को टीम में नहीं लाया जा सकेगा। अगर रिप्लेस किया गया खिलाड़ी भी किसी तरह चोटिल हो गया है या खेलने की स्थिति में नहीं होगा उस दौरान उसकी जगह वही खिलाड़ी मैदान में उतर सकता है, जिसके लिए अंपायर इजाजत देगा।

## यूथ तायक्वांडो अकादमी के बच्चों ने फिर मारी बाजी

जयपुर, 18 जून। ग्रीनपार्क की यूथ तायक्वांडो अकादमी के बच्चों ने हाल ही में सम्पन्न द्वितीय एएमए तायक्वांडो कप 2025 में अकादमी की मुस्कान कोठोत्या, मानसी मीना, योजित शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। एकांश सत्तावन, भव्य गुप्ता, आदर्श ने रजत पदक तथा शुभम खिंची, अभिनंदन मीना, रक्षित सत्तावन, मोनू शर्मा ने कांस्य पदक जीता। बच्चों के माता-पिता और कोच भारत जायसवा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

## राजस्थान के बॉडी बिल्डर विशाल सिंह ने दक्षिण एशिया में जीता कांस्य पदक

जयपुर 18 जून। भूटान में आयोजित हुई साउथ एशिया में बॉडीबिल्डिंग एंड मैन फिजिक्स चैंपियनशिप में राजस्थान के विशाल सिंह रावत ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रोंज मेडल जीता राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि अजमेर के विशाल सिंह पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। राज्य संघ के अध्यक्ष नवीन यादव, सचिव अशोक औदिचय, कोषाध्यक्ष राजेश यादव सहित संपूर्ण राजस्थान राज्य संघ के सभी पदाधिकारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने पर विशाल सिंह रावत को बधाई दी।

## आरसीए की प्रस्तावित वार्षिक आम बैठक स्थगित

जयपुर, 18 जून। जयदीप बिहानी, संयोजक एडहॉक कमेटी ने बताया कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है। इसलिए राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की प्रस्तावित वार्षिक आम बैठक जो 20 जून 2025 को आयोजित होने वाली थी, को अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है। बैठक की अगली तिथि समय रहते बता दी जाएगी। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सभी सम्बद्ध सदस्यों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

## शाहिद और शोएब की जोड़ी ने युगल फाइनल जीता



जयपुर, 18 जून। स्वर्गीय देवकी ठाकुर स्मृति में चौगान स्टेडियम पर सम्पन्न हुई जयपुर जिला ओपन रैंकिंग कैरम प्रतियोगिता में देर रात तक हुआ। पुरुषों का युगल फाइनल मैच में बंटी क्लब के शाहिद और शोएब की जोडी ने 2-0, से रेहान और शाहरुख को हरा युगल फाइनल जीत लिया। जयपुर ज़िला के इस प्रतियोगिता के 4 बेहतरीन खिलाड़ियों में वेस्ट जोन के तीसरे नंबर के खिलाड़ी, राष्ट्रीय खिलाड़ी महेंद्र ठाकुर, काशिफ, बिल्ला और रमजान रहे, जो खिताब जीतने वाले दावेदार थे, रह गए। पुरस्कार समारोह में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी, डॉ अखिल शुक्ला, कैरम संघ के अध्यक्ष, अजय सिंह चित्तौड़ा, ने ईनाम बाटे और जयप्रकाश ने देवकी ठाकुर के बारे मे महिलाओं के लिए किए कार्यों का बताया और अतिथि गण का स्वागत किया।

### आईसीसी ने महिला टी-20 विश्वकप 2026 का पूरा कार्यक्रम किया जारी

# 12 टीमों के बीच होगी टी-20 वर्ल्ड कप की भिड़ंत, इंग्लैंड करेगी मेजबानी

दुबई, 18 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को 24 दिनों तक चलने वाले महिला टी-20 विश्वकप 2026 के पूरे कार्यक्रम की आधिकारिक रूप से घोषणा की। आईसीसी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत अगले वर्ष 12 जून को एजबेस्टन में दूधिया रोशनी में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होने वाले मैच से होगी। टूर्नामेंट में मौजूदा विजेता न्यूजीलैंड सहित 12 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए स्पर्धा करेंगी। आठ देश पहले से ही टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और अंतिम चार प्रतिभागियों का फैसला अगले साल होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप क्वालीफायर के जरिए होगा।

इंग्लैंड और वेल्स को 2022 में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी के अधिकार दिए गए, जिसमें विभिन्न मानदंडों के मूल्यांकन के बाद सात मेजबान स्थलों का चयन किया गया। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 को दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रशंसकों को टूर्नामेंट में ग्रुप 1 में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान और दो क्वालीफायर टीमों तथा ग्रुप दो में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और





दो क्वालीफायर महिला टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। सेमीफाइनल और फाइनल लंदन में क्रमशः द ओवल और लॉर्ड्स में होंगे।

आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2026 का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है:-

एजबेस्टन में 12 जून को इंग्लैंड बनाम श्रीलंका, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में 13 जून को क्वालीफायर बनाम क्वालीफायर, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में 13 जून को ही ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, हैम्पशायर बाउल में 13 जून को वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड, एजबेस्टन में 14 जून को क्वालीफायर बनाम क्वालीफायर, एजबेस्टन में 14 जून को भारत बनाम पाकिस्तान, हैम्पशायर बाउल में 16 जून को न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका, हैम्पशायर बाउल में 16 जून को इंग्लैंड बनाम क्वालीफायर, हैम्पशायर बाउल, हेडिंग्ले में 17 जून को ऑस्ट्रेलिया बनाम क्वालीफायर, हेडिंग्ले में 17 जून भारत बनाम क्वालीफायर, एजबेस्टन में 17 जून को दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान, हेडिंग्ले में 18 जून को वेस्टइंडीज बनाम क्वालीफायर, हैम्पशायर बाउल में 19 जून को न्यूजीलैंड बनाम क्वालीफायर, हैम्पशायर बाउल में 20 जून को ऑस्ट्रेलिया बनाम क्वालीफायर, हैम्पशायर बाउल में 20 जून को पाकिस्तान बनाम क्वालीफायर, हेडिंग्ले में 20 जून को इंग्लैंड बनाम क्वालीफायर, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में 21 जून को वेस्टइंडीज बनाम श्रीलंका, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में 21 जून को दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में 23 जून को न्यूजीलैंड बनाम क्वालीफायर, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में 23 जून को श्रीलंका बनाम क्वालीफायर, हेडिंग्ले में 23 जून को ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, लॉड्स क्रिकेट ग्राउंड में 24 जून को इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में 25 जून को भारत बनाम क्वालीफायर, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में 25 जून को दक्षिण अफ्रीका बनाम क्वालीफायर, ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में 26 जून को श्रीलंका बनाम क्वालीफायर, ब्रिटल काउंटी ग्राउंड में 27 जून को पाकिस्तान बनाम क्वालीफायर और ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में 27 जून को पाकिस्तान बनाम क्वालीफायर के बीच मुकाबला होगा।

# बीसीसीआई को बॉम्बे हाईकोर्ट से लगा तगड़ा झटका

## कोच्चि टस्कर्स को देने होंगे 538 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 18 जून। बीसीसीआई को कोच्चि टस्कर्स केस में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने बीसीसीआई की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कोच्चि टस्कर्स के मालिकों के पक्ष में 538 करोड़ रुपये के आर्बिट्रल अवॉर्ड को सही करार दिया। बीसीसीआई ने कोच्चि टस्कर्स टीम को साल 2011 में आईपीएल से बाहर कर दिया था। उसके बाद कोच्चि टीम ने बीसीसीआई के खिलाफ आर्बिट्रेशन केस किया था। फ्रेंचाइजी सिर्फ एक आईपीएल सीजन में खेली और अंक तालिका में आठवें स्थान पर थी।

जज आरआई चागला ने बीसीसीआई और कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड और अन्य मामले में कहा कि अदालत मध्यस्थ के निष्कर्षों पर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता अधिनियम की धारा 34 के तहत इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित है। विवाद के गुण-दोषों की गहराई से जांच करने का बीसीसीआई का प्रयास अधिनियम की धारा 34 में निहित आधारों के दायरे की विपरीत है। साक्ष्य और/या गुण-दोषों के संबंध में दिए गए निष्कर्षों के बारे में बीसीसीआई का असंतोष अवॉर्ड को चुनौती देने का आधार नहीं हो सकता।

कोच्चि टस्कर्स फ्रेंचाइजी को रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड ने लिया था। बाद में फ्रेंचाइजी को कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया गया। बीसीसीआई ने सितंबर 2011 में फ्रेंचाइजी समझौते के उल्लंघन का हवाला देकर कोच्चि टस्कर्स को समाप्त कर दिया। बीसीसीआई ने कहा कि फ्रेंचाइजी बैंक गारंटी देने में विफल रही थी। वहीं, केसीपीएल ने कहा कि देरी अनसुलझे मुद्दों के कारण हुई, जिसमें स्टेडियम की अनुपलब्धता, शेयरहोल्डिंग पर विनियामक अनुमोदन और आईपीएल मैच की संख्या में कमी शामिल थी।

देरी के बीच बीसीसीआई और केसीपीएल कई महीनों तक संपर्क में रहे थे। बोर्ड ने कई भुगतान भी स्वीकार किए। लेकिन अचानक बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी को समाप्त कर दिया और आरएसडब्ल्यू द्वारा जारी की गई पूर्व गारंटी को भी भुना लिया। केसीपीएल और आरएसडब्लू ने 2012 में मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की और ट्रिब्यूनल ने 2015 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया। केसीपीएल को 384 करोड़ रुपये और आरएसडब्लू को 153 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया गया था। इसके साथ ही ब्याज और लीगल कॉस्ट भी देने का जिक्र था।

## इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में नंबर-4 पर कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करने उतरेंगे : पंत

लंदन, 18 जून। महज दो दिन में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तान ऋषभ पंत प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए। पीसी में विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया कि विराट कोहली की जगह अब नंबर 4 पर कौन बल्लेबाजी करेगा। साथ ही उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पोजिशन के बारे में बताया और अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।बता दें कि, विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सवाल उठने लगे थे कि अब 4 नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? ऐसे में पंत ने बताया कि कप्तान शुभमन गिल नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे जबकि वह खुद नंबर 5 पर खेलते हुए दिखेंगे। हालांकि, नंबर 3 पर कौन बल्लेबाजी करेगा ये अब तक साफ नहीं हो पाया है। वहीं अहमदाबाद हादसे को लेकर विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि, पूरा देश निराश है हम जो कर सकते हैं वह है अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना और देश को खुश करना। भारत के पास 3 नंबर पर चुनने के लिए तीन विकल्प हैं। इनमें अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर और साई सुदर्शन शामिल हैं। ईश्वरन भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गए थे।

## राजस्थान के विकास ने डबल वेपन में स्वर्ण, नीलम ने नन्क्वान में स्वर्ण एवं अभिजीत ने विंगचुंग में जीता रजत पदक

जयपुर,18 जून। भारतीय वुशू संघ व राजस्थान वुशू संघ के तत्वावधान मे दिनांक 14 से 19 जून तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे आयोजित हो रही 34वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगिता में आज राजस्थान के नीलम चौधरी ने नन्क्वान में एवं विकास चौधरी ने डबल वेपन में स्वर्ण पदक एवं अभिजीत एसवाल ने विंगचुंग में रजत पदक जीता। आज के समारोह के अतिथि के.सी घुमरिया, (आईआरएस), प्रियंका गुप्ता, (आईएएस), विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक राजस्थान वूशु संघ एवं मनीष पुजारी सालासर धाम रहे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वूशु संघ ने सभी



अतिथियों का साफा पहनाकर व बूके, स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया। राजेश कुमार टेलर ने बताया कि सेमी फाईनल मुकाबले मे राजस्थान के 48 किलोग्राम भारवर्ग में मेघा जोशी (राजस्थान) ने प्रियंका (आईटीबीपी) को 2-0 से एवं 70 किलोग्राम भारवर्ग में दिव्यांशी (राजस्थान) ने अन्जु (ऑल इण्डिया पुलिस) को 2-0 से हराकर फाईनल मे प्रवेश किया साथ ही पुरूष वर्ग में 52 किलोग्राम भारवर्ग में अमन पारीक (राजस्थान) ने अवनेश कुमार (यूपी) को 2-1 से तथा 56 किलोग्राम भारवर्ग में अभिमन्यू पारीक (राजस्थान) ने अशोक कुमार (बीएसएफ) को 65 किलो भारवर्ग में वैभव शर्मा (राजस्थान) ने चिराग (हरियाणा) को 2-0 से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। 34वी सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रेमचंद बैरवा, उप मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार, अतिथि अविनाश गहलोत, केबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता होंगे।

## दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 166 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

केव हिल, 18 जून। तेजमिन ब्रिट्स (101) की शतकीय, कप्तान लॉरा वुलफार्ट (75) की शानदार पारियों के बाद एम क्लास (चार विकेट), एन म्लाबा और एनरी डर्कसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को (डीएलएस पद्धित) से 166 रनों से हरा दिया। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। तेजमिन ब्रिट्स को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए तेजमिन ब्रिट्स और कप्तान लॉरा वुलफार्ट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 184 रन जोड़े। 27वें ओवर में ऐफी फ्लेचर ने तेजमिन ब्रिट्स को आउटकर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। तेजमिन ब्रिट्स ने 91 गेंदों में 101 रनों की पारी खेली।

## तीन दिवसीय सेमीफाइनल मैच आज से के.एल. सैनी स्टेडियम व जयपुरिया ग्राउंड पर खेला जायेगा



जयपुर, 18 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के आज जयपुर में समाप्त हुए क्वाटर फाइनल मैचों की विजेता टीम जयपुर, श्रीगंगानगर, कोटा व अजमेर ने प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आज मनीष कुमार का शानदार शतक व तन्मय वर्मा, अजय राज सिंह, विजय सिंह, पुनीत मिश्रा, मोहित भगतानी ने खेली अर्धशतकीय पारियां खेली। अशोक शर्मा, रोहन राजभर, हितेश इंसा ने शानदार गेंदबाजी की। प्रतियोगिता का 3 दिवसीय सेमीफाइनल मैच 19 से 21 जून को के एल सैनी स्टेडयम व जयपुरिया ग्राउंड पर खेला जायेगा।


**कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द(राज.)**
Email: np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph. 02953-233526
क्रमांक : न.पा.नाथ. / निविदा / स्टोर / 25 / 7704 दिनांक :- 16.06.2025
**-: निविदा संशोधन सूचना :-**
(E NIT No.- 18/2025-26)
नगरपालिका कार्यालय नाथद्वारा के पत्रांक न.पा.नाथ. / निविदा / स्टोर / 2025 / 7358 दिनांक 10.06.2025 से जारी ई-निविदा सं0 18/2025-26 के क्रम में निविदा में वर्णित कार्य की तकनीकी निविदा शर्तों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-
ऑनलाईन अपलोड निविदा सूचना की तकनीकी शर्त संख्या 09 को विलोपित किया जाता है। शेष शर्तें उक्तानुसार संशोधित समझी जावें।
शेष निविदा एवं शर्तें यथावत् रहेंगी।
राज.संवाद / सी / 25 / 4469 आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

**कार्यालय नगर परिषद टोंक**
क्रमांक :-न.प.टोंक / विद्युत शाखा / 2025-26 / 4219 दिनांक :- 16.06.2025
**ई-निविदा सूचना - 4/2025-26**
**(NIB No. DLB2526A2595)**
नगर परिषद टोंक क्षेत्र में होने वाले विद्युत कार्यों हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 27.06.25 प्रातः 11.00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। अन्य विवरण व शर्तें www.Sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.-DLB2526SLOB08217
आयुक्त नगर परिषद, टोंक — अति० जिला कलक्टर एवं प्राधिकारी / प्रशासक नoपoटोंक
राज.संवाद / सी / 25 / 4528

**कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान**
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 2355 दिनांक :- 13.06.2025
**-: ई-निविदा सूचना-2025-26 :-**
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 25.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB07804) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ़ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद / सी / 25 / 4587 आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ़

**बीकानेर नगर निगम**
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / निर्माण / 2025-26 / 9607 दिनांक 16.06.2025
**ई- निविदा-सूचना सं0 51/2025-26**
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यों (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 45.00 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB08268
राज.संवाद / सी / 25 / 4550 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

**राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड**
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) पंजीकृत कार्यालय: ... उदयपुर - 302005 (राज.)
**संशोधित निविदा सूचना-01** दिनांक :- 17/06/2025
| निविदा संख्या एवं दिनांक | कार्य का विवरण |
| --- | --- |
| F.6(1)69/cc/2025/05 dated 27.05.2025 UBN No. MML2526SLOB00024 | कसनाऊ-मातासुख लिग्नाईट परियोजना, नागौर (विन कोड: 341001) पर विभिन्न (05) बोलेरो -07 सीटर या समकक्ष वाहन (ए. सी. डीजल टैक्सी परमिट) मय वाहन चालक किराये पर लेने हेतु। ... बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय दिनांक 23.06.2025 सांय 05.00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि व समय दिनांक 24.06.2025 को प्रातः 11.00 बजे। |
उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी अनुबंध) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद / सी / 25 / 4491 उप महाप्रबंधक (का.एवं प्रशा.)

**उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान**
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/75 - 77 Date : 16/06/2025
**ई-निविदा सूचना संख्या : 20/2025-26**
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-
| | |
| --- | --- |
| निविदा कार्यों की कुल लागत | रूपये 116.09 लाख (02 कार्य) |
| ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि | 17.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 26.06.2025 को सांय 6.00 बजे तक |
| Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी | 17.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 26.06.2025 को सांय 6.00 बजे तक |
| ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी | 27.06.2025 को प्रातः 11.00 बजे |
विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526SLOB00130, ITU2526SLOB00131
राज.संवाद / सी / 25 / 4525 अतिरिक्त आयुक्त - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

**जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड**
प्रभारीय शक्ति सूर्याय: कार्यालय अधीक्षण अभियंता (जयपुर सर्किल) ... जयपुर टेलीफोन : 0141-2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org
**ई-निविदा सूचना**
ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के टीएन-120 के अन्तर्गत भिवाड़ी सर्कल के क्षेत्र में सहायक अभियंता एटीएम भिवाड़ी टीएन-120 के तहत नए प्रस्तावित 33/11 केवी घटाल-II सबस्टेशन के निर्माण का कार्य। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 23.06.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 07.07.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
UBN : VVN2526WSOB00107
राज.संवाद / सी / 25 / 4497 जेवीव्ही - 3005 (2025) अधीक्षण अभियंता (जयपुर सर्किल)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

**महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर**
**निविदा सूचना संख्या 04/2025-26**
विश्वविद्यालय द्वारा ई-निविदा सूचना संख्या 4/2025-26 क्रमांक 3813 दिनांक 17/06/2025 के तहत निर्माण कार्य हेतु निविदा जारी की गई है, जिसके एनआईबी GSU2526A0013 यूबीएन GSU2526WSOB00023 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं स्टेट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद / सी / 25 / 4518 सम्पदा अधिकारी

**कार्यालय नगर निगम, अजमेर**
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :- MEW/2025-26/425 दिनांकः- 17.06.2025
**:: ई-निविदा सूचना संख्या 16/2025-26 ::**
नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है :-
| | |
| --- | --- |
| निविदा कार्यो की कुल लागत | राशि 70 लाख (कुल 2 कार्य) |
| ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि | दिनांक 17.06.2025 से 25.06.2025 तक 6.00 pm |
| Technical निविदा खोलने की तिथि व समय | 26.06.2025 को 11.00 am |
| Financial निविदा खोलने की तिथि | सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा। |
विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :-ANN2526A0050
| S.No. | UBN No. | S.No. | UBN No. |
| --- | --- | --- | --- |
| 1 | ANN2526WSOB00056 | 2 | ANN2526WSOB00057 |
राज.संवाद / सी / 25 / 4540 अधिशाषी अभियन्ता

**जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय**
ग्राम - मदाऊ, पोस्ट-भांकरोटा जयपुर (राज.) 302026
वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स: 0141-5132021
**प्रवेश सूचना (विज्ञापन) : 2025-2026**
विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिसर में सत्र 2025-2026 हेतु अधोलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए योग्यताधारी छात्रों से आवेदन पत्र आमंत्रित है।
ऑनलाईन प्रवेश आवेदन पत्र भरने की आरंभ तिथि- 20.06.2025 अंतिम तिथि- 20.07.2025
A- स्नातक
1. एन.ई.पी. 2020 चतुर्वर्षीय शास्त्री पाठ्यक्रम (प्रथम सेमेस्टर) (वेद, पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष फलित, ज्योतिष गणित, नव्य व्याकरण, दर्शन, जैन दर्शन)
2. एन.ई.पी. 2020 चतुर्वर्षीय बी. ए. पाठ्यक्रम (प्रथम सेमेस्टर) (संस्कृत, एक पत्र संस्कृत विषय की अनिवार्यता के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, शिक्षाशास्त्र एवं दर्शन)
3. एन.ई.पी. 2020 चतुर्वर्षीय बी.एस.सी (योग) (प्रथम सेमेस्टर)
B. स्नातकोत्तर
4. दो वर्षीय आचार्य (प्रथम वर्ष) (वेद, पौरोहित्य, पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष फलित, ज्योतिष गणित, नव्य व्याकरण, दर्शन, जैन दर्शन)
5. दो वर्षीय एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, शिक्षाशास्त्र तथा दर्शन शास्त्र)
6. दो वर्षीय एम.ए./एम.एस.सी योग (प्रथम सेमेस्टर)
7. एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम: डिप्लोमा इन पौरोहित्य कर्मकाण्ड, पी.जी.डी.सी.ए, पीजी डिप्लोमा योग, मंत्र साधना पद्धति और चिकित्सा विषयक डिप्लोमा, पी.जी.डी.ए.ई., मंदिर प्रबन्धन डिप्लोमा
8. सर्टिफिकेट कोर्स (त्रैमासिक) - योग प्रमाण पत्र / वास्तु प्रमाण पत्र / ज्योतिष प्रमाण पत्र / संस्कृत प्रमाण पत्र
9. ऑनलाइन स्वाध्यायिक पाठ्यक्रम (नाम वेबसाइट पर उपलब्ध)
शैक्षणिक अर्हता- शास्त्री, बी.ए. बी.एस.सी.- 12 वीं (10+2); आचार्य, एम.ए. एम.एस. सी. और पीजी डिप्लोमा- संबंधित विषय में स्नातक
1. प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होगी।
2. प्रवेश आवेदन पत्र का लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.jrrsanskrituniversity.ac.in) तथा www.jrrsu.in) पर उपलब्ध है।
3. विश्वविद्यालय में छात्रों एवं छात्राओं के लिए पृथक पृथक सुव्यवस्थित छात्रावास उपलब्ध है।
4. प्रवेश प्रक्रिया, आरक्षण प्रावधान और शुल्क एवं प्रवेश से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.jrrsanskrituniversity.ac.in तथा www.jrrsu.in देखें एवं अन्य सहायता के लिए E-mail: helpdesk@jrrsu.in (helpline no.- 7073704054) पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद / सी / 25 / 4553 कुलसचिव

# मुख्यमंत्री भजनलाल ने जालौर व राजसमंद में ''वंदे गंगा'' अभियान में भाग लिया

## उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रकृति को सहेजने के साथ संस्कृति को सम्मान देने के लिए है

जालौर/राजसमंद, 18 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जालौर के सीलू घाट पर राजसमंद में ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान'' को लेकर जनसभा को संबोधित किया। ज्ञात रहे कि गत 5 जून को पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरे के शुभ संयोग पर प्रारंभ हुए इस अभियान से प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 10 लाख लोग जुड़ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत सीलू घाट पर नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किए तथा मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की वाटिका में पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ''हमारी संस्कृति में नदी, पहाड़ एवं प्रकृति को पूजा जाता है तथा 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान प्रकृति को सहेजने के साथ ही, संस्कृति को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने आव्हान किया कि सभी लोग जल संचयन एवं पौधरोपण का संकल्प लेकर प्रदेश को ''हरियालो राजस्थान'' बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अन्तर्गत अब तक 20 हजार से अधिक जल स्त्रोतों के साथ ही, लगभग 17 हजार कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों की साफ-सफाई की गई। इस अभियान में 7 हजार पूर्ण कार्यों का अवलोकन-लोकार्पण हुआ और 2 हजार 200 नए कार्यों का शुभारंभ भी किया गया है। जल संरक्षण गतिविधियों के अन्तर्गत लगभग 33 हजार स्थानों पर श्रमदान के कार्यक्रम किए गये हैं। यह अभियान 20 जून तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी समय में जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रेरणा स्त्रोत के रूप में उभरेगा।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जालौर के सीलू घाट पर मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की और ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान'' के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित किया।*

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि ''वंदे गंगा'' अभियान के तहत अब तक 20 हजार जल स्त्रोतों व 17 हजार कार्यालयों, अस्पतालों व विद्यालयों में सफाई की गई। जल संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत 33 हजार स्थानों पर श्रमदान के कार्यक्रम किये गये।**

राजसमंद में ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान'' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा पर हम जल एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को लेकर एकत्र हुए हैं। आज ही के दिन 18 जून, 1576 को हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया, यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक था।

मुख्यमंत्री ने राजसमंद जिला प्रशासन द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत किए गए कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी, सुरेन्द्र सिंह राठौड, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

## आज का दिन...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

यह भी साफ किया कि पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्तों में किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमेरिका के लिये यह कहा जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ अपनी कार्यवाही के संदर्भ में पाकिस्तान से संवाद कर रहे हैं, क्योंकि ईरान के साथ पाकिस्तान की लम्बी सीमा मिलती है। इससे संकेत मिलता है कि अगर अमेरिका को ईरान के साथ जमीनी युद्ध में उलझना पड़ा, तो पाकिस्तान के सैन्य अड्डों का उपयोग कर ईरान में सैन्य कार्यवाही करना अमेरिकी सेना के लिए आसान होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान में इज़रायल के अभियानों को लेकर हस्तक्षेप किया है। उन्होंने अपनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट करते हुये ईरान से कह दिया है कि वह ''बिना शर्त'' आत्मसमपर्ण कर दे। यह सुनिश्चित है कि इस प्रकार की मांग को ईरानी शासन स्वीकार नहीं करेगा और इसे नकार दिया जाएगा। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला ख़ामनेई ने यह संकेत दिया है कि ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा और वह अंत तक लड़ेगा। यह स्थिति अमेरिका को एक अनिश्चित और महंगे संघर्ष में खींच सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि अमेरिका ईरान में शासन परिवर्तन की दिशा में सोच रहा है।

## 22 मुस्लिम बाहुल्य...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

किया। उन्होंने सभी मध्य पूर्वी देशों से परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने का आव्हान किया। यह इज़रायल की ओर एक परोक्ष, लेकिन स्पष्ट संकेत था, जिसने कभी इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए और जिसे व्यापक रूप से परमाणु हथियारों का बड़ा भंडार रखने वाला माना जाता है। इस संघर्ष को लेकर वैश्विक नेताओं की तरफ से कड़ी प्रतिक्रियाएँ आई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने तेहरान पर अपने कठोर रुख को दोहराते हुए ट्रूथ सोशल पर लिखा, ''ईरान को वह 'समझौता' साइन कर लेना चाहिए था, जो मैंने कहा था। कितना शर्मनाक और मानव जीवन की बर्बादी।'' इसके बाद उन्होंने तेहरान के नेताओं को चेतावनी दी और तेहरान में रह रहे लोगों को तुरंत देश से बाहर निकलने'' की सलाह दी। कहा जा रहा है कि यह अमेरिकी हस्तक्षेप में संभावित बढ़ोतरी का संकेत है।

इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने, तमरा में एक मिसाइल हमले में चार नागरिकों की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मिसाइल धर्म नहीं देखती। यह यहूदियों और अरब लोगों, दोनों को नुकसान पहुँचाती है। वो हम सब को नष्ट करने आए हैं, और हम इस लड़ाई में एकजुट खड़े हैं।'' बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद, युद्धविराम की कोई स्पष्ट संभावना नहीं दिख रही है। खबरों के अनुसार, अमेरिका क्षेत्र में अपने सैन्य संसाधनों को बढ़ा रहा है, इस आशंका में कि उसे हस्तक्षेप करना पड़ सकता है या अनायास ही उसे संघर्ष में खींचा जा सकता है। इस संकट ने अमेरिका और अन्य देशों में यह बहस फिर से छेड़ दी है कि अनियंत्रित सैन्यकरण और परमाणु प्रसार को रोकने में कूटनीति की विफलता का क्या परिणाम हो सकता है। पूरी दुनिया चिंतित निगाहों से देख रही है और मध्य पूर्व एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा है, या तो पूर्ण युद्ध की ओर, या एक बहुप्रतीक्षित संवाद की वापसी की ओर।

## पनडुब्बी रोधी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

के रूप में उभरा है।

पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया आईएनएस अर्नाला निगरानी, खोज और बचाव मिशन तथा छोटे समुद्री अभियानों में सक्षम है।

## प्रदेश में सात दिन पहले मानसून का प्रवेश

जयपुर, 18 जून। राजस्थान में मानसून बुधवार को प्रवेश कर गया और इस बार यह सामान्य से सात दिन पहले आया है।

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम ने बताया कि राज्य में मानसून सामान्य से सात दिन पहले राज्य के कुछ भागों में पहुंच गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा राज्य के बाड़मेर, जोधपुर तथा जयपुर से होकर गुजर रही है और आगामी दो-तीन दिनों में राज्य के कुछ और भागों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि गुजरात के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज राजस्थान के मध्य एवं उत्तरी क्षेत्रों के ऊपर अवस्थित है। बंगलादेश पर बना कम दबाव का क्षेत्र तीव्र होकर सुस्पष्ट कम दाब बन गया है तथा पश्चिमी बंगाल के ऊपर अवस्थित है। इसके आगामी दो-तीन दिनों में धीरे धीरे उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। मेघगर्जन, बिजली चमकने के साथ, राज्य के कुछ भागों में आगामी दिनों में

- **वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा बाड़मेर, जोधपुर व जयपुर से होकर गुजर रही है।**

बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है और 18 से 20 जून के दौरान उदयपुर एवं कोटा संभाग में कहीं कहीं भारी एवं कहीं कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। जयपुर, अजमेर एवं भरतपुर संभाग में भी में कहीं कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 21 से 23 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होने एवं पुन: कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी एवं अतिभारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मानसून अभी 10-15 दिन तक सक्रिय रहेगा और इसके प्रदेश में करीब साढ़े तीन महीने तक प्रभावी रहने के बाद, सितंबर के अन्त में लौटने का अनुमान है।

राधेश्याम ने कहा कि मानसून के समय से पहले आने का किसानों सहित सभी को फायदा पहुंचेगा। किसान अपनी खरीफ की फसल की समय पर तथा ज्यादा क्षेत्र में बुवाई कर सकेंगे।

## प्र.मंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। मोदी ने कहा कि 6-7 मई की रात को भारत ने केवल आतंकवादी ठिकानों और पाकिस्तान व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उनके छिपने के स्थानों को निशाना बनाया। यह कार्रवाई पूरी तरह सटीक, सीमित और गैर-आक्रामक थी। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर पाकिस्तान की ओर से कोई कोई आक्रामक कदम उठाया गया, तो भारत और भी सख्त प्रतिक्रिया देगा।

मिसरी ने बताया कि 9 मई की रात को अमेरिका के उपराष्ट्रपति वैंस ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था और बताया था कि पाकिस्तान भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। मोदी ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि अगर ऐसा कुछ होता है, तो भारत और भी सख्त कार्रवाई करेगा।

9-10 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान के हमले का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया, जिससे पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुँचा। पाकिस्तान के कई सैन्य एयरबेस काम करने लायक नहीं रहे। भारत की सख्त कार्रवाई के कारण पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध करना पड़ा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ-साफ बताया कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान न तो किसी स्तर पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कोई चर्चा हुई और न ही अमेरिका द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का कोई प्रस्ताव आया।

सैन्य कार्रवाई रोकने पर चर्चा भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद सैन्य संवाद चैनलों के जरिए हुई और यह पाकिस्तान की पहल पर शुरु हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत करे कभी भी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं है और न स्वीकार होगी। भारत में इस पर पूर्ण राजनैतिक सहमति है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की बातों को ध्यान से सुना और भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का समर्थन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद को ''प्रॉक्सी वॉर'' नहीं, बल्कि सीधा युद्ध मानता है और ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी कैनडा से भारत लौटते समय अमेरिका में रुक सकते हैं। लेकिन पहले से तय कार्यक्रमों के चलते मोदी ने असमर्थता जताई। दोनों नेताओं ने निकट भविष्य में मिलने का प्रयास करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इज़रायल-ईरान संघर्ष को लेकर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर यह सहमति जताई कि शांति के लिए दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत आवश्यक है, और इस दिशा में प्रयास जारी रहने चाहिए।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को लेकर भी दोनों नेताओं ने अपने दृष्टिकोण साझा किए और क्वाड की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को अगले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया और भारत दौरे की उम्मीद जताई।

## निजी वाहनों के लिए ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

200 यात्राओं तक,जो भी पहले हो,वैध रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। उन्होंने कहा कि पास के नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप और राष्ट्रीय राजमार्ग की वेबसाइट पर इसके लिए एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

## पूर्व मुख्यमंत्री सुखाड़िया के परिवार...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

होंगे। नीलिमा ने बताया, उन्हें कहा जा रहा है कि अगर उन्होंने प्लॉट नहीं छोड़ा तो वे जान से हाथ धो बैठेंगी।

नीलिमा सुखाड़िया ने अरूण सुखाड़िया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और उनकी जमीन पर अवैध रूप से दखलंदाजी नहीं करने को पांबद करने के लिए उदयपुर एसपी से गुहार लगाई है। इधर, इस मामले में अरूण सुखाड़िया के पुत्र दीपक सुखाड़िया ने कहा कि उन्हें (नीलिमा सुखाड़िया) जो करना था, कर लिया, पिता अरूण सुखाड़िया के खिलाफ रिपोर्ट दी है, पिताजी खुद 75 वर्ष के हैं, ये आरोप निराधार हैं, वे ऐसे आरोपों पर कोई कमेंट नहीं करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, हमारे पक्ष की रिपोर्ट हमने एसपी के समक्ष व थाने में पेश कर दी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908